RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस...

वर्ष : 27 | अंक : 226 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा से विपक्ष की फजीहत : प्रधानमंत्री

राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार को लेकर पीएम ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नीत राजग संसदीय दल की बैठक संसद भवन के ऑडिटोरियम में हुई। पीएम मोदी जब इस बैठक में शामिल होने पहुंचे तो एनडीए सांसदों ने 'हर हर महादेव' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए पीएम मोदी को एनडीए सांसदों द्वारा सम्मानित किया गया। एनडीए के सांसदों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा हमला बोला।

संसदीय दल की बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने माला पहनाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। एनडीए संसदीय दल की बैठक में 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' की सफलता पर प्रस्ताव पारित हुआ। एनडीए की महिला सांसद अग्रिम पंक्ति में बैठीं। पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। नए सांसदों का प्रधानमंत्री से परिचय कराया गया।

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में सांसदों को संबोधित करते हुए विपक्ष पर

जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके बड़ी गलती कर दी, इसमें उनकी ही फजीहत हुई। ऐसा विपक्ष कहां मिलेगा जो खुद अपना पैर पत्थर पर मारता हो। विपक्ष ऐसे डिबेट रोज कराए। ये हमारा फील्ड है, ये मेरा फील्ड है और भगवान मेरे साथ है।

पीएम ने सभी एनडीए सासंदों से तिरंगा यात्रा और खेल दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपने संसदीय क्षेत्रों में इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कहा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा, 'लाल कृष्ण आडवाणी के बाद अमित शाह सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री पद पर बने हुए हैं। ये तो अभी शुरूआत है।'

एनडीए संसदीय दल की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया अमेरिका द्वारा पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित करना, तथा पहलगाम हमले की निंदा करते हुए ब्रिक्स समिट में जॉइंट डिक्लेरेशन जारी होना, पाकिस्तान द्वारा अपनी धरती पर फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ भारत के कूटनीतिक रुख की जीत को दर्शाता है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर दी प्रतिक्रिया

"बीजेपी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट के कल के ऑब्जर्वेशन पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'इस पर हम क्या कहें... जब सुप्रीम कोर्ट ने ही कह दिया। ये तो अपना पैर पत्थर पर मारना ही नहीं... आ बैल मुझे मार वाली बात है। इतनी बड़ी फटकार कोई हो ही नहीं सकती, जो कल सुप्रीम कोर्ट ने उनको लगाई है।'

दुशमन की मांद में घुसकर सेना ने जवाब दिया : मुख्यमंत्री

अलीगढ़ को दी 1200 करोड़ की सौगात

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ को 1200 करोड़ रूपये की विभिन्न परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री आज सुबह 10 बजे अलीगढ़ पहुंचे।

आईटीआई हेलीपैड से कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। वहां वह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक ली। बैठक में अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज से जनप्रतिनिधियों ने सीएम योगी के समक्ष अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं। सीएम योगी ने समस्याओं के निस्तारण कराने का आश्वासन दिया। बैठक के बाद सीएम योगी नुमाइश ग्राउंड पहुंचे। वहां अलीगढ़ मंडल के लिए 1194 करोड़ की 188 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

सीएम योगी ने सीएम युवा, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, 70 प्लस आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, एनआरएलएम क्रेडिट लिंकेज चैक, पीएम एवं सीएम आवास लाभार्थीगनों को लाभान्वित करने के साथ ही विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण एवं अन्न प्रासन्न भी कराया। सीएम योगी

आदित्यनाथ ने जनसभा को भी संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में कायराना शरारत की थी। जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत की सेना ने पाकिस्तान को नाकों चने चबवाए। भारतीय सेना ने दुश्मन की मांद में घुसकर 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफल बनाया।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत का साहस दिखा। आज का भारत आतंकवाद सहता नहीं जवाब देता है। ऑपरेशन सिंदूर नए भारत की तस्वीर है। मुख्यमंत्री ने विदेशी सामान को लेकर भी बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि विदेशी हाथों में मुनाफा जाने से इसका गलत इस्तेमाल होता है। मुनाफा लव जिहाद और धर्मांतरण में इस्तेमाल किया जाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अलीगढ़ में राजा महेन्द्र प्रताप के नाम से विश्वविद्यालय बनकर तैयार हो चुका है।

बिमल पान मसाला ने की करोड़ों की टैक्स चोरी

शासन ने दो पान मसाला कंपनियों पर लिया एक्शन

लखनऊ/ नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में शासन के निर्देश पर दो बड़े ब्रांड के पान मसाला इकाइयों की जांच में करोड़ों की टैक्स चोरी और बिना ई-वे बिल के सप्लाई का खुलासा हुआ है। ये कार्रवाई नोएडा में बिमल पान मसाला पर की गई। वहीं कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के बिना ई वे बिल के चार ट्रक सीज किए गए। बिमल पान मसाला ने 2.5 करोड़ रुपये जमा किए हैं। वहीं शिखर मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख सचिव राज्यकर एम. देवराज को दो ब्रांड्स में टैक्स चोरी की गोपनीय सूचना मिली थी। नोएडा में बिमल पान मसाला की इकाइयों में जांच के लिए उन्होंने बाहरी जिले की टीमों को भेज कर जांच कराई। स्टाक और बिक्री में अंतर पर जेवी इंडस्ट्रीज ने 2.5 करोड़ रुपये जमा कराए। साथ ही शासन स्तर से मामले की जांच के निर्देश दिए। इसी तरह वी वन ब्रांड की जांच में 50 लाख रुपये जमा कराए गए।

दूसरी तरफ कानपुर में खुफिया सूचना के आधार पर डीएम से शिखर पान मसाला के तीन ट्रक पकड़वाए। तीनों ही ट्रक ई वे बिल के बिना माल ले जा रहे थे। इस प्रकरण की जांच चल ही रही थी कि बाराबंकी में भी शिखर का एक ट्रक एसडीएम ने पकड़ा। इसमें भी टैक्स चोरी का माल पाया गया। खास बात ये है कि तीनों ही कार्रवाई से विभागीय अधिकारियों को दूर रखा गया। इनमें भी नोएडा और कानपुर में राज्य कर की कमान आईएएस अधिकारियों के हाथ में है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में लापरवाह वाहन चालकों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। देर रात्रि अपने घर लौट रहे एक युवक को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल हुए युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

थाना बिसरख क्षेत्र के खाटू श्याम कॉलोनी में रहने वाले अमर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 1 अगस्त की रात्रि को उनके पास किसी व्यक्ति का फोन आया। उक्त व्यक्ति ने बताया कि उनके बेटे अमर का एक्सीडेंट हो गया है और वह बिसरख हॉस्पिटल में भर्ती है। जब वह बिसरख स्थित अस्पताल पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके बेटे अमर को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया है। जिला अस्पताल पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके बेटे की मृत्यु हो गई है। तेजपाल सिंह ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

कंपनी में चल रहा है सेक्स स्कैम!

फ्रेंडशिप और टूर पर न जाने पर युवती को नौकरी से निकाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ईकोटेक-3 स्थित एक कंपनी में अप्रेंटिस कर रही युवती ने कंपनी के सुपरवाइजर पर गंभीर आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि सुपरवाइजर उस पर जबरन कंपनी के एक अधिकारी से फ्रेंडशिप करने और टूर पर ले जाने का दबाव बना रहा है। उसके द्वारा इनकार करने पर उसे कंपनी से जबरन निकाल दिया गया।

चिपियाना बुजुर्ग में रहने वाली सोनम (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर ईकोटेक-3 में अपने भाई के साथ पिछले 6 महीने से अप्रेंटिस कर रही है। शुरुआती एक महीने में ही कंपनी ने उसके भाई को बिना कोई कारण बताए निकाल दिया था। कंपनी से भाई को निकालने के बाद सुपरवाइजर राजाराम ने उसके सामने कंपनी के एक अधिकारी से फ्रेंडशिप करने का प्रस्ताव रखा। इस पर उसने इंकार कर दिया। इसके बाद उस पर टूर पर ले जाए जाने का दबाव बनाया जाने लगा। इस बारे में उसने अपने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद उसके पिता कंपनी में आए और एचआर ऑफिस में जीएम अश्विनी शर्मा, अतेंद्र मिश्रा से मिले और उन्हें सारी बातें बताई। सोनम के मुताबिक एच आर ऑफिस के जीएम ने सुपरवाइजर के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के बजाय (शेष पृष्ठ-4 पर)

दोस्ती तोड़ना युवती को पड़ा महंगा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक युवती को युवक से अपनी दो साल पुरानी दोस्ती तोड़ना महंगा पड़ गया। युवती द्वारा बात करना बंद किए जाने के बाद युवक उसे तरह-तरह से परेशान करने लगा। युवक की हरकतों से परेशान होकर युवती ने थाना ईकोटेक-3 में मुकदमा दर्ज कराया है। हल्द्वानी में रहने वाली विमलेश (काल्पनिक नाम) ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी पिछले 2 वर्षों से सुंदरम नाम के युवक से दोस्ती थी। सुंदरम की हरकतों से परेशान होकर उसने बात करनी बंद कर दी थी। उसके द्वारा बात बंद किए जाने के बावजूद भी (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिल्ली का शातिर बदमाश मुठभेड़ में लंगड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने बीती रात्रि मुठभेड़ के बाद शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोली लगने से लुटेरा घायल हो गया। मुठभेड़ में घायल हुआ बदमाश दिल्ली का शातिर अपराधी है और उस पर दिल्ली के विभिन्न थानों में 31 मुकदमे पंजीकृत हैं।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि बीती रात्रि थाना प्रभारी डी.के. शुक्ला पुलिस टीम के साथ डीएलएफ मॉल के पास नाले पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान बाइक पर आ रहे दो युवक पुलिस को देखकर भाग निकले। पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा कर उन्हें सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के पास जंगल में घेर लिया।

खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की

जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान हरिश्चंद्र उर्फ़ हरिया पुत्र भृगु नाथ निवासी प्रताप नगर दिल्ली के रूप में हुई। हरिश्चंद्र मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर का रहने वाला है। इसके पास से एक तमंचा कारतूस व (शेष पृष्ठ-4 पर)

डीएम का बड़ा एक्शन असलाह बाबू पर गिरी गाज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जिले की नई जिलाधिकारी मेधा रूपम ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद प्रशासनिक कार्यों में सुधार के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए पहला बड़ा एक्शन लिया है। डीएम ने असलाह बाबू अरविंद कुमार को पद से हटा दिया है। अरविंद कुमार पिछले लगभग नौ वर्षों से इस पद पर तैनात थे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डीएम मेधा रूपम ने अपनी कार्यशैली को लेकर औसत से ऊपर के मानकों को सुनिश्चित करने की दिशा में यह कठोर निर्णय लिया। सूत्रों के मुताबिक डीएम के ड्राईवर से बार-बार लोकेशन पूछने के चलते असलाह बाबू पर एक्शन लिया गया है। असलाह बाबू अरविंद कुमार को हटाकर सत्येंद्र कुमार को नए असलाह बाबू के रूप में नियुक्त किया गया है। डीएम के सख्त रूप से प्रशासनिक अधिकारियों में एक हलचल मच गई है, अधिकारी इस कदम से चौंक गए हैं।

मानसी ज्वैलर्स के यहां लूट में शामिल बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। स्वाट टीम गाजियाबाद व थाना लिंकरोड पुलिस टीम द्वारा मानसी ज्वैलर्स में लूट की घटना में वांछित 1 इनामी बदमाश को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। बदमाश के कब्जे से 1 तमंचा, 1 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस, 6000 रुपये व चोरी की 1 बिना नं0 प्लेट लगी मोटर साइकिल बरामद हुई है।

थाना लिंकरोड क्षेत्र में बीती 24 जुलाई को मानसी ज्वैलर्स में लूट की घटना हुई थी। इस घटना में वांछित 25,000/- रूपये का ईनामी अभिषेक पुत्र लवकुश निवासी ग्राम बहेटा हाजीपुर थाना लोनी बोर्डर गाजियाबाद लगातार फरार चल रहा था। पुलिस चौकी

औद्योगिक क्षेत्र के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट लगी मोटर साइकिल सवार आता दिखाई दिया। जब पुलिस टीम ने बाइक सवार को रोककर चैक करने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। जब पुलिस (शेष पृष्ठ-4 पर)

शराबी पत्नी ने छुड़ाए पति के पसीने

नोएडा (चेतना मंच)। अक्सर आपने पतियों द्वारा शराब के नशे में पत्नियों के साथ गाली गलौज व मारपीट करने की घटनाएं सुनी होगी, लेकिन एक ऐसा अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है जिसमें पति अपनी शराबी पत्नी से खासा प्रताड़ित है। शराब की आदी पत्नी की गालियों से त्रस्त होकर पति ने उसके खिलाफ थाना एक्सप्रेस में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र की एक सोसायटी में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 10 अप्रैल 2024 को उसकी शादी कानपुर निवासी सोनिया (काल्पनिक नाम) के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसकी पत्नी शराब का सेवन करने लगी। शराब के नशे में वह उसके साथ आए (शेष पृष्ठ-4 पर)

ट्रक ने ली दो गौवंश की जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के हॉलैंड चौराहे पर तेज गति में आ रहे ट्रक ने तीन गायों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो गायों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि तीसरी गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। इस हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। तुस्याना गांव के चौकीदार खुशीराम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 4 अगस्त की सुबह आवश्यक कार्य से पुलिस लाइन होते हुए सूरजपुर जा रहा था। सुबह 5 बजे चार मूर्ति की तरफ से तेज गति में आ रहे कंटेनर ट्रक ने हॉलैंड चौराहे के पास खड़ी तीन गायों को टक्कर मार दी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

रक्षाबंधन पर खाद्य विभाग अलर्ट, छापेमारी कर उठाये नमूने

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी रक्षाबंधन पर्व पर जनपदवासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर रहे हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह, विशाल कुमार गुप्ता एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा इटहेरा दादरी स्थित सुंदर ट्रेडिंग से रिफाइंड राइस ब्रान ऑयल का 01 नमूना लेकर शेष लगभग 150 द्यद राइस ब्रान ऑयल प्रथम दृष्टया मिलावटी प्रतीत होने के कारण सीज कर दिया गया। इसी टीम द्वारा बिसरख स्थित बीकानेरी स्वीट से लड्डू का 1 नमूना

जांच के लिए लिया गया।

इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, रविंद्र नाथ वर्मा एवं मालती की टीम द्वारा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में कुलेसरा स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से 1 मुनक्का एवं 1 रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का नमूना लेकर, मुनक्का के पैकेट एवं रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के टिन पर बैच नंबर व एक्सपायरी डेट न होने के कारण लगभग 15 kg मुनक्का एवं 178kg रिफाइंड सोयाबीन ऑयल सीज कर दिया गया। इसी टीम द्वारा ए-130 सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया साइट सी ग्रेटर नोएडा स्थित नमस्कार स्वीट की निर्माणशाला से दूध, छेना व खोया का 1-1 नमूना लेकर अवशेष लगभग 35 द्यद खोया प्रदूषित पाए जाने के कारण नष्ट करा दिया गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अचानक ब्रेक

देश में जब तेजी से हाई-वे बने तो लगा कि अब आम आदमी की यात्रा सुगम व सुरक्षित होगी। तब सफर में लोगों के घंटों बचने लगे। यात्रियों के पेट्रोल व डीजल की खपत कम हुई। विडंबना यह है कि कालांतर वाहनों की गति सीमाएं तोड़ने लगी। बेलगाम गति दुर्घटनाओं का सबब बनी। वे खबरें विचलित करती हैं जब पूरे के पूरे परिवार सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। निस्संदेह, जब व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक की गति से वाहन चलाता है तो विषम परिस्थितियों में अचानक ब्रेक लगाना ही पड़ता है। ऐसे में पीछे से नियंत्रित गति में चलने वाले वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। अकसर बेकसूर लोग दूसरों की गलती की कीमत चुकाते हैं। ऐसी ही दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि हाई-वे पर कोई वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो दुर्घटना की स्थिति में इसे लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि हाई-वे पर वाहनों का तेज गति से चलना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कोई चालक अचानक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह ब्रेक मारने से पहले पीछे आने वाले वाहन चालकों को चेतावनी या कोई संकेत दे। उल्लेखनीय है कि यह फैसला वर्ष 2017 में कोयंबटूर में एक इंजीनियरिंग छात्र के साथ हुए हादसे के बाबत आया है, जिसमें उसे अपनी टांग गंवानी पड़ी। दरअसल, उसकी मोटरसाइकिल अचानक रोकी गई एक कार से टकरा गई थी। इस टक्कर में उसके नीचे गिरने पर पीछे से आ रही बस ने उसके पैर को कुचल डाला। कोर्ट ने कार चालक की इस दलील को तार्किक नहीं माना कि उसे पत्नी के अस्वस्थ होने के कारण कार अचानक रोकनी पड़ी। अदालत का मानना था कि उसने भले ही किसी भी परिस्थिति में कार रोकी,लेकिन उसे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को संकेत या चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी, ताकि इस हादसे को टाला जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि इस मामले में आधी गलती कार चालक की है तो बीस-बीस फीसदी गलती अपील करने वाले व बस चालक की भी है। कोर्ट ने अपील करने वाले को अगले वाहन से पर्याप्त दूरी न रखने व लाइसेंस न होने का दोषी माना। फलतः उसके मुआवजे में बीस फीसदी की कटौती की। दरअसल, हाई-वे पर होने वाले तमाम हादसों में वाहनों की निर्धारित सीमा से अधिक गति को मुख्य कारण बताया जा रहा है। 'हाई-वे रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2021' के अनुसार दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 74 फीसदी हादसे वाहनों की निर्धारित गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने की वजह से होते हैं। जिसके चलते राजमार्गों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया जाता है। निस्संदेह, हमने यूरोपीय स्टाइल के हाई-वे तो बना दिए मगर चालकों को नियम-कानूनों के पालन के लिये जागरूक नहीं कर पाये। यही वजह है कि दुर्भाग्य से देश की सड़कों में हर तीन मिनट में एक बेगुनाह व्यक्ति की मौत हो जाती है। जाहिर है, दोष सड़कों का नहीं बल्कि चालकों के व्यवहार में अराजकता का है। जरूरी है कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने तथा गति सीमा नियंत्रित रखने हेतु प्रेरित किया जाए। तभी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क दुर्घटनाओं के लिये निरापद बन सकेगा। निस्संदेह, सड़क निर्माण में भी कई बार तकनीकी खामियां पायी जाती हैं। पदयात्रियों व जानवरों के हाई-वे पर आ जाने से वाहन चालकों को ब्रेक लगाने को मजबूर होना पड़ता है। लेकिन कोर्ट के निर्देश के अनुरूप ही पीछे आने वाले वाहन चालकों को इसका संकेत देना जरूरी है। साथ ही तकनीकी व गुणवत्ता की दृष्टि से दोषपूर्ण सड़क बनाने वालों की जवाबदेही भी तय करना जरूरी है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट ने नजीर का फैसला दिया है, जो वाहन चालकों की जवाबदेही सुनिश्चित करता है। साथ ही पीछे आने वाले वाहन चालकों को आगे के वाहन से सुरक्षित दूरी बनाकर चलना होगा, ताकि अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में वे खुद का और पीछे आने वाले वाहनों का बचाव कर सकें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो शुभ लक्षणों के धाम, श्री रामजी के प्यारे और सारे जगत के आधार हैं, गुरु वशिष्ठजी ने उनका लक्ष्मण ऐसा श्रेष्ठ नाम रखा है।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

धरे नाम गुर हृदयँ बिचारी। बेद तत्व नृप तव सुत चारी॥
मुनि धन जन सरबस सिव प्राना। बाल केलि रस तेहिं सुख माना॥

गुरुजी ने हृदय में विचार कर ये नाम रखे (और कहा-) हे राजन! तुम्हारे चारों पुत्र वेद के तत्त्व (साक्षात परात्पर भगवान) हैं। जो मुनियों के धन, भक्तों के सर्वस्व और शिवजी के प्राण हैं, उन्होंने (इस समय तुम लोगों के प्रेमवश) बाल लीला के रस में सुख माना है॥

बारेहि ते निज हित पति जानी। लछिमन राम चरन रति मानी॥
भरत सत्रुहन दूनउ भाई। प्रभु सेवक जसि प्रीति बड़ाई॥

बचपन से ही श्री रामचन्द्रजी को अपना परम हितैषी स्वामी जानकर लक्ष्मणजी ने उनके चरणों में प्रीति जोड़ ली। भरत और शत्रुघ्न दोनों भाइयों में स्वामी और सेवक की जिस प्रीति की प्रशंसा है, वैसी प्रीति हो गई॥

स्याम गौर सुंदर दोउ जोरी। निरखहिं छबि जननीं तृन तोरी॥
चारिउ सील रूप गुन धामा। तदपि अधिक सुखसागर रामा॥

श्याम और गौर शरीर वाली दोनों सुंदर जोड़ियों की शोभा को देखकर माताएँ तृण तोड़ती हैं (जिसमें दीठ न लग जाए)। यों तो चारों ही पुत्र शील, रूप और गुण के धाम हैं, तो भी सुख के समुद्र श्री रामचन्द्रजी सबसे अधिक हैं॥

(क्रमशः...)

झालावाड़ में स्कूली हादसे से भी नहीं खुलेगी नेताओं की नींद?

देश के सरकारी स्कूलों के आधारभूत ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता की हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी है। हालात ये हैं घिसी-पिटी, आधी-अधूरी शिक्षा ग्रहण करने वाले इन स्कूलों में बच्चों की जान तक महफूज नहीं है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पलोदी गांव में सरकारी मिडिल स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते-मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले राजस्थान में ही सरकारी स्कूलों के भवनों की ऐसी दुर्दशा है। देश में 54 हजार से अधिक सरकारी स्कूल जर्जर हालत में हैं। इन स्कूलों में लाखों बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। ओडिशा में 12 हजार 343, महाराष्ट्र में 8 हजार 71, पश्चिम बंगाल में 4 हजार 269, गुजरात में 3 हजार 857, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 789, मध्य प्रदेश में 2 हजार 659, उत्तर प्रदेश में 2 हजार 238 और राजस्थान में 2 हजार 061 स्कूल जर्जर हालत में हैं। इनमें कभी भी झालावाड़ जैसे हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती है। राजस्थान में हुए स्कूली हादसे की पुनरावृत्ति देश के कई राज्यों में पूर्व में हो चुकी है। भोपाल के एक स्कूल में छत से प्लास्टर गिरने से छात्राएं घायल हो गईं। झारखंड की राजधानी रांची में एक स्कूल की इमारत की खिड़की का एक हिस्सा टूटकर गिरा था। उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों की दीवारों में दरारें हैं और ऑपरेशन कायाकल्प का असर नहीं दिख रहा। बिहार में कई बच्चों

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली।

के पास स्कूल की इमारत तक नहीं है और वे झोपड़ियों में पढ़ते हैं, जहाँ पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। मध्य प्रदेश के सतना में भी प्लास्टर गिरने से एक बच्चा घायल हुआ था।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज़्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है। प्राथमिक कक्षाओं से 1.9 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक से 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी लेवल से 14.1 प्रतिशत बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ रहे हैं। ये सर्वे, पहले के मुक़ाबले स्कूलों की बेहतरी दिखा रहे थे। मगर हाल में नजर आ रही गिरावट ने ये सारी बात उलट दी। भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति काफी खराब है। शोध अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों की अनुपस्थिति दर बहुत अधिक है और उसकी तुलना में आधे से भी कम शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे थे।

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट बताती है कि कक्षा 5 के छात्र कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ सकते हैं या साधारण गणितीय प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने पिछले दो दशकों में शिक्षा में अधिक धन लगाया है, लेकिन अधिक व्यय, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, पाठ्यक्रम परिवर्तन और एनजीओ के प्रयासों के बावजूद, पिछले दशक में एएसईआर के परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ है। वर्ष 2009 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम स्कूल रैंकिंग में भाग लिया। इस मूल्यांकन से पता चलता है कि 15 वर्षीय स्कूली बच्चे विज्ञान-गणित और पढ़ने में कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत 74 देशों में से 72वें स्थान पर रहा, जो इसकी शिक्षा प्रणाली का प्रतीक है।

भारत ने इसके बाद इस कार्यक्रम में भाग लेना बंद कर दिया। हालांकि 2021 में प्रतियोगिताओं में भारत ने फिर से भाग लेने का निर्णय लिया, लेकिन उसी बीच कोरोना की लहर आ गई और आगे कुछ नहीं हुआ। भारत के कुछ प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में लंबे समय से गुणवत्ता स्थापित है। अधिकांश राज्य सरकार के स्कूलों के साथ ऐसा नहीं है। ये इतनी खराब गुणवत्ता के हैं कि कई गरीब परिवार अपने बच्चों को मुफ्त सरकारी स्कूलों से निकालकर महंगे निजी स्कूलों में डाल देते हैं, भले ही इनकी अक्सर संदिग्ध साख हो। केंद्रीय विद्यालय अच्छी शिक्षा प्रदान करते हैं, क्योंकि माता-पिता प्रभावशाली सिविल सेवक होते हैं जो शिक्षकों की माता-पिता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।

सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए समय-समय पर कई आयोग और समितियों का गठन किया गया है, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट में शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इन आयोगों और समितियों में कोठारी आयोग, यशपाल समिति, और टीएसआर सुब्रमण्यम समिति प्रमुख हैं। इनकी सिफारिशों में शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधार, शिक्षकों की भूमिका, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में बदलाव और शिक्षा में नवाचार शामिल हैं। इन आयोगों की रिपोर्ट धूल फांक रही है। कारण स्पष्ट है कि सरकारों और राजनीतिक दलों के लिए शिक्षा में सुधार से वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। जब तक देश में शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को वोट बैंक के नजरिए से देखा जाता रहेगा, तब तक देश में शिक्षा का सर्वांगीण उत्थान संभव नहीं है।

- योगेन्द्र योगी

राहुल को सुप्रीम फटकार

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी तीखी राजनीतिक बयानबाज़ी के कारण विवादों में रहते हैं। भारतीय सेना को लेकर दिए गए उनके बयान विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसा ही एक विवादित बयान देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाते हुए साफ कहा है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें अपनी बातें संसद के पटल पर रखनी चाहिए, सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर नहीं। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन्हें कैसे पता चला कि 2,000 किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं।

अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने भारत-चीन सीमा विवाद के संदर्भ में भारतीय सेना के खिलाफ कई अपमानजनक बयान दिए थे। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और सम्मन आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी कि यह शिकायत राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और इसे दुर्भावना से दायर किया गया है।

हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमारी सरकार सोई हुई है। उस समय राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक हंगामा तो हुआ ही था

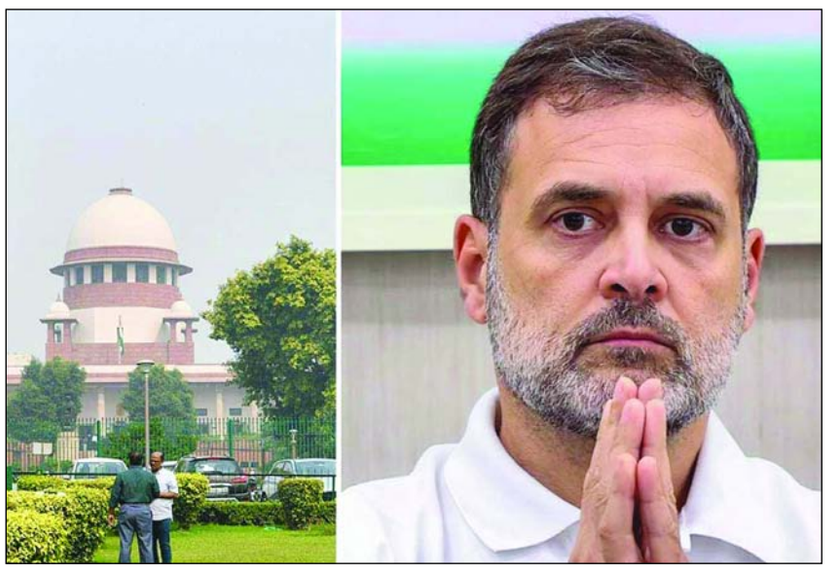

साथ ही सेना के पूर्व अधिकारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारतीय सेना दुश्मन से मुकाबले को हमेशा तैयार रहती है। सेना के पूर्व अधिकारियों ने राहुल गांधी का ध्यान कांग्रेस शासन के दौरान की कमजोरियों की ओर भी दिलाया था। यही नहीं, अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी वहां के लोगों ने भी राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है और उन पर पूरा भरोसा है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि सिर्फ तवांग ही नहीं, राहुल गांधी ने गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर भी गलतबयानी की थी। उन्होंने उस समय सरकार से पूछा था कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? हालांकि राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरुजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। यही नहीं, पांच-छह दशक के शासन-काल में कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश ही नहीं की। तवांग घटना के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जो सात सवाल पूछे थे वह राष्ट्रहित के विरुद्ध तो थे ही साथ ही हमारी सेना का मनोबल गिराने वाले भी थे। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2007 में संसद में एक प्रश्न पूछा गया था, तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बताया था कि 38 हजार स्क्वयार किलोमीटर की जमीन और कुल 43180 स्क्वयार किलोमीटर जमीन कांग्रेस शासन के दौरान चीन ने कब्जाई है।

देखा जाये तो यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी की टिप्पणी पर न्यायपालिका ने सवाल खड़े किए हों। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी चौकीदार चोर है वाली टिप्पणी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। अब तवांग घटना और चीन से जुड़ी सीमा स्थिति पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाज़ी की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है।

जहां तक तवांग में घटे घटनाक्रम की बात है तो इसके बारे में बताया जाता है कि चीनी सेना यानि PLA ने LAC को पार करने का प्रयास किया था जिसका विरोध किया गया था। हालांकि इस मुद्दे का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हो गया था और बुमला में इसको लेकर एक फ्लैग मीटिंग भी हुई थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था जिसमें भारतीय सेना चीनी सेना को पीटते और खदेड़ते देखी गयी थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी थी कि वह वीडियो तवांग में हुई झड़प का था या नहीं।

राहुल गांधी को समझना होगा कि भारतीय सेना केवल एक संस्था नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। जब कोई प्रमुख नेता सेना के शौर्य या क्षमता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो यह न केवल सैनिकों का मनोबल प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश जाता है। विपक्ष की भूमिका सरकार से सवाल पूछने की है, लेकिन यह प्रक्रिया तथ्यों और जिम्मेदाराना भाषा पर आधारित होनी चाहिए।

राहुल गांधी को समझना होगा कि सोशल मीडिया और जनसभाओं में दिए गए बयान त्वरित राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कार्यवाही पर रोक लगाना फिलहाल राहुल गांधी के लिए राहत है, लेकिन अदालत की सख्त टिप्पणी उनके लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है।

राहुल गांधी को यह समझना होगा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनके हर शब्द का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर होता है। व्यक्तिगत या दलगत राजनीति के लिए भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की फटकार को राहुल गांधी को आत्मचिंतन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर संवाद और बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए— यही लोकतंत्र और देशहित की सच्ची कसौटी है।

-नीरज कुमार दुबे

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

वैश्य समाज ने किया जिलाधिकारी का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेटर नोएडा के पदाधिकारियों ने आज प्रात: कलेक्ट्रेट पहुँचकर डीएम श्रीमति मेघारुपम का स्वागत किया व उन्हें जन्माष्टमी कार्यक्रम के के आमंत्रित किया।

वैश्य समाज के अध्यक्ष सौरभ बंसल ने बताया कि वैश्य समाज की बेटी द्वारा गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी पद को सुशोभित करना समाज के लिये गौरव की बात है। समाज की खुशी से उन्हें अवगत कराने के उद्देश्य से आज समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर उन्हें अंगवस्त्र, गुलदस्ता व महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा भेंट की।

संरक्षक मनोज गर्ग ने बताया कि समिति द्वारा इस वर्ष नवनिर्मित श्री महाराजा अग्रसेन भवन में 15 व 16 अगस्त को भव्य जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें बांके बिहारी जी का फूल बंगले के साथ साथ अनेकों मंदिर व कृष्ण लीला की झांकियां भी सजाई जायेंगी। उपरोक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिये भी उन्हें आमंत्रित किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर पहुंचने की सहमति प्रदान की।

मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल ने बताया कि 15 व 16 अगस्त को होने वाले जन्माष्टमी महोत्सव में सांय 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक मंदिर में नगरवासी दर्शन कर सकेंगें।

इस मौके पर पुष्पेंद्र अग्रवाल, अमित गोयल, आशीष गुप्ता, अनिल गुप्ता, संजय अग्रवाल, शुभम सिंघल, कपिल गर्ग, मनु जिंदल व अन्य लोग उपस्थित रहे।

कारागार मंत्री ने किया जेल का निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान द्वारा जिला कारागार गौतमबुद्धनगर का भ्रमण किया गया। कारागार के मुख्य द्वार पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बृजेश कुमार, अधीक्षक, राजेश कुमार मौर्या व संजय कुमार शाही कारापाल जिला कारागार गौतमबुद्धनगर द्वारा स्वागत किया गया।

सर्वप्रथम मंत्री जी द्वारा, कारागार में अंदर 10 नग एकल कक्ष कारागार चिकित्सालय हेतु, जेल इंडोर जिम एण्ड वेलनेस सेन्टर, 10 नग एकल कक्ष महिला अहाता एवं तीन नग गोदाम(जेल गोदाम) का उद्घाटन किया गया। मंत्री जी द्वारा कारागार परिसर में पेयजल हेतु ट्यूबेल व सामुदायिक भवन का षिलन्यास किया गया। तद्पोरांत माननीय कारागार मंत्री जी द्वारा कारागार के कौषल-विकास सेन्टर का अवलोकन किया गया।

बंदियों द्वारा स्थापित की गयी औशधि वाटिका जहॉ ब्राह्मी, अष्वगंधा,सर्वगंधा इन्सुलिन जैसी औशधि बंदियों द्वारा लगायी गयी हैं,का अवलोकन किया गया। कौषल-विकास केन्द्र में बंदियों द्वारा सिलाई प्रषिक्षण, हेयर कटिंग प्रषिक्षण, कम्प्यूटर प्रषिक्षण, डांस व संगीत कार्यक्रम का प्रदर्षन किया गया। इसके अतिरिक्त कारागार में कौषल-विकास सेन्टर पर केंचुओं द्वारा निर्मित ऑर्गेनिक खाद वर्मी कम्पोस्ट के उत्पादन विधि को देखा गया जिसे कारागार में खेतों व वाटिका में उपयोग किया जाता है। इसके बाद कारागार के कौषल-विकास केन्द्र में बंदियों द्वारा सिलाई प्रषिक्षण जो कि श्री मिथुन प्रताप सिंह के एम0 एण्टरप्राईजेज के सहयोग से चलाया जा रहा है, ब्यूटिप्यिन हेयर कटिंग सैलून व एच0सी0एल व इण्डिया विजन फाउण्डेषन के सहयोग से निर्मित, कम्प्यूटर प्रषिक्षण, व प्रोमथियस स्कूल के सहयोग से मेडिटेषन कॉन्फ्रेंस सेंटर,डिजिटल लाइब्रेरी के साथ कारागार में चल रहे हॉबी कोर्सेज गायन वादन नृत्य वाटिका को देखा गया। बंदियों की प्रस्तुति अत्यंत मनोहरी रही।

एल0ई0डी0 सेन्टर जो वी0एस0एनर्जी के सहयोग से स्थापित है,पर बन रहे झालर,झूमर दिये, तथा मूर्तिकला,आर्टक्राफ्ट व देवेन्द्र सिंह के सहयोग से कारागार पर चलाये जा रहे मधुमक्खी पालन की सराहना की गयी।

कार्यक्रम के अवसर पर जेल अधीक्षक बृजेष कुमार, कारापाल संजय कुमार शाही व राजेश कुमार मौर्या, उप कारापाल सुरजीत सिंह, शिशिरकांत कुशवाहा, कमलचन्द्र, अनूप कुमार, अनुज कुमार, श्रीमती ज्ञानलता पाल, श्रीमती मनोरमा सिंह आदि अधिकारीगण/कर्मचारीगण व समाजसेवी राजा सैफी उपस्थित रहे।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा कि यमुना प्राधिकरण में हुई बड़ी बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आज किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा की बैठक राष्ट्रीय संयोजक विनय तालान के नेतृत्व प्राधिकरण के सभागार में सम्पन्न हुई इस सम्बन्ध में सगठन के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा की किसानों की 10 प्रतिशत भूखंड नया भूमि अधिग्रहण क़ानून को लागू करने किसानों की आबादी बैकलीज एवं शेष बचे किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवज़ा आगरा तक यमुना प्राधिकरण से प्रभावित सभी किसानों को समान दर पर मुआवज़ा मिले एवं इंटरचेंज से प्रभावित किसानों को मुआवज़ा एवं भूखंड देने सहित ग्राम विकास से संबंधित सभी समस्याओं पर सीईओ राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह एडीएमएलए बच्चू सिंह तहसीलदार प्रतीक सिंह सदर ओएसडी अजय शर्मा जीएम प्रोजेक्ट राजेंद्र भाटी सहित जिला प्रशासन एवं प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे जिसमें सभी मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा हुई है इस संबंध में प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने आश्वस्त किया है कि किसानों की सभी समस्या जायज़ है प्राधिकरण स्तर की सभी समस्याओं का निस्तारण चल रहा है जेपी से प्रभावित किसानों अतिरिक्त मुआवजा 10 प्रतिशत भूखण्ड एवं आबादी बैक लीज़ की संस्तुति के लिए शासन स्तर पर वार्ता चल रही है जल्द ही आगामी बोर्ड बैठक में सभी मुद्दों को निस्तारित किया जाएगा 10 गांवों को स्मार्ट विलेज के तहत विकसित किया जा चुका एवं 10 गांवों में निर्माण कार्य चल रहा है किसानों को मिलने वाले 7ब भूखंड का कार्य तेज़ी से चल रहा है कई गांवों का ड्रा संपन्न कराया जा चुका है जल्द ही बचे शेष गांवों को ड्रॉ कराकर भूखंड दिये जायेगे इस सम्बंध में सगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी ने कहा की वार्ता सकारात्मक रही है जल्द तीनो प्राधिकरणों एवं जिला प्रशासन के साथ जॉइंट मीटिंग होगी इस मौके पर प्रताप नागर ,लौकेश भाटी ,विनय तालान ,आशु अटटा विनोद मलिक,विपिन कसाना,सरोज भाटी कृष्ण नागर विनोद कसाना,उमेश राणा,सतपाल नागर,धीरज एडवोकेट,कपिल नागर ,बीरन नागर आदि लोग मौजूद रहे।

इलाहाबास गांव में विकास नहीं भाकियू (बलराज) ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा इलाहाबास गांव की दुर्दशा से नाराज भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओं ने कल नोएडा प्राधिकरण पहुंचकर अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने आरोप लगाया कि इलाहाबास गांव में सड़के पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और उसमें बरसात का पानी भर गया है जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के जिला अध्यक्ष योगेश वैष्णव ने कहा कि एक तरफ उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार विकास का मॉडल पेश कर रही है वहीं नोएडा जैसे हाईटेक शहर के बराबर में स्थित इलाहाबास गांव आज भी नरकी जीवन विशेष करने के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि तत्काल गांव की दुर्दशा को नोएडा प्राधिकार ने ठीक नहीं करवाया तो सभी ग्रामवासी आंदोलन करने के लिए विवस होंगे। योगेश वैष्णव ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के कारण गांव में विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि गांव की दशा बेहद दयनीय है। गांव की गलियों एवं सड़कों में सड़कों पर गंदा पानी जमा हुआ है।

इस अवसर पर प्रवीण चौहान, दिलदार अंसारी, जतन भाटी, सिंहराज भाटी, इरशाद खान, कपिल शर्मा, राजू बैरागी, ब्रह्मचंद बैरागी, प्रवीण कौशिक,कपिल नागर, रविंद्र नागर, जगदीश बैरागी, चौधरी तेजपाल सिंह, चौधरी विजयपाल सिंह, विनोद शर्मा, रवि कुमार, ठाकुर योगेंद्र सिंह, रमेश चंद, सुरेशानंद ध्यानी, जयकरण भाटी, राजकुमार बैरागी आदि मौजूद रहे।

तिरंगा कार्यक्रम को लेकर भाजपा की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन का अभियान बनाने हेतु आज ज़िला भाजपा कार्यालय तिलपता पर हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बैठक में बताया कि राष्ट्रप्रेम, तिरंगे के सम्मान और जनसहभागिता को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा के साथ अभियान चलाया जाएगा इस अभियान का उद्देश्य है— हर घर तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति।

भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान जन-जन तक पहुंचेगा और भारत माता के प्रति सम्मान और एकता का संदेश देगा।

सेवा, संगठन और समर्पण के संकल्प के साथ, हर घर तिरंगा, राष्ट्र गौरव का अभियान को हर भारतीय के घर तक पहुँचाने के लिये अभियान में लगेंगे।

इस हर घर तिरंगा अभियान बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज धर्मेन्द्र कोरी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य वीरेन्द्र भाटी युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर विकाश चौधरी अर्पित तिवारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ ने किया जिलाधिकारी का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नव नियुक्त जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम का उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्वागत किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में जिला संरक्षक अशोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, जिला उपाध्यक्ष भगवत शर्मा, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पीलवान, एवं ब्लॉक मंत्री रामकुमार शर्मा ने शिक्षकों की भावनाओं, आवश्यकताओं व शिक्षा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मायचा गांव का प्राधिकरण अधिकारी ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक गौरव बघेल द्वारा कल ईकोटेक-।। गांव माँयचा में साफ़ सफाई का निरीक्षण किया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही गांव की साफ-सफाई की व्यवस्था दुरूस्त कर दी जाएगी।

इस मामले की शिकायत समाजसेवी हरेन्द्र भाटी द्वारा की गई थी। जिस पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने संज्ञान लेकर गांव का निरीक्षण किया।

उपमुख्यमंत्री का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का बुलन्दशहर जाते समय लुहारली ईस्टर्न पेरीफ़ेरल एक्सप्रेसवे पर भाजपा के जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। भजपा के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर हमारे साथ बुलंदशहर के सांसद डॉ भोला सिंह, एमएलसी श्रीचन्द शर्मा और भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया।

स्वागत में मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी, पवन रावल, धर्मेन्द्र कोरी, वीरेन्द्र भाटी, कर्मवीर आर्य, संजय भाटी, राजीव सिंघल, तरुण शर्मा आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वीरेंद्र मुखिया महासिचव बने

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के शहदरा सेक्टर-141 के निवासी को राष्ट्रीय लोकदल पार्टी से युवा क्षेत्रीय महासचिव पद पर वीरेंद्र मुखिया को मनोयन किया है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष आसिफ चौधरी ने इसकी घोषणा की वीरेंद्र मुखिया ने कहा है की में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का धन्यवाद देता हूं और पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करूंगा। वीरेंद्र ने कहा मेरे अध्यक्ष ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है पूरी ईमानदारी के साथ निभाऊंगा और पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए के लिए जनता के बीच जाऊंगा।

रियाजुद्दीन सैफी बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वकील अहमद उर्फ रियाजुद्दीन सैफी को भारतीय किसान यूनियन पथिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा बनाने के लिए कल जिला बुलंदशहर ग्राम गुठवली कला मे एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय किसान यूनियन पथिक के सभी साथी उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमपाल भाटी ने कहा कि किसानों की समस्या का हाल नहीं करता। आप सभी हमारे अपने संगठन भारतीय किसान यूनियन पथिक जुड़े और कंधा से कंधा मिलाकर साथ में काम करें। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव वसील अहमद भी मौजूद रहे।

भाकियू (बलराज) ने किया डीएम का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी श्रीमती मेधारूपम का भाकियू (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी के नेतृत्व में कल गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा शिवाल, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह, जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर योगेश वैष्णव, प्रदेश सचिव दिलदार अंसारी, प्रदेशाध्यक्ष राहुल भाटी, तहसीलदादरी अध्यक्ष रविन्द्र नागर, राहुल नागर, महानगर अध्यक्ष कपिल नागर, ब्रह्मचंद बैरागी, कपिल शर्मा, अमित कसाना, युवा जिलाध्यक्ष परवीन कौशिक, इरशाद खान यूथ मंडल अध्यक्ष आदि कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नैपाल सिंह पुत्र स्व. भगवाना निवासी-ग्राम हतेवा थाना, दनकौर, जिला-गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र दीपक व पुत्रवधू नंदिनी मेरे और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति इनका व्यवहार ठीक नहीं रहता है। आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर गाली-गलौज व मारपीट पर उतारू रहते हैं। पुत्रवधू नंदिनी घर का कोई काम भी नहीं करती है। जबकि मेरी पत्नी अक्सर बीमार रहती हैं। मेरा पुत्र दीपक व पुत्रवधू नंदिनी मेरे पैतृक संपत्ति को अपने नाम कराने का दबाव बनाते हैं। इस वजह से मैं अपने पुत्र दीपक और पुत्रवधू नंदिनी से संबंध-विच्छेद कर अपने समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। आज के बाद दीपक व उसकी पत्नी नंदिनी किसी से लेनदेन करते हैं या उनके किसी भी कृत्य के लिए वह लोग खुद जिम्मेदार होंगे। मेरे और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कूड़ा प्रोसेस न करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों को प्राधिकरण की कड़ी चेतावनी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में कूड़े को प्रोसेस न करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों को प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ग्रेनो वेस्ट प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर - 16बी की अजनारा होम्स सोसायटी, सेक्टर - 16 स्थित विक्टोरिया अमारा, कासा ग्रीन सहित कई अन्य सोसायटियों का निरीक्षण किया गया। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नीति-2016 के तहत कूड़े को प्रोसेस करने के प्रति जागरूक किया गया। प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के जेई कुलदीप शर्मा, स्वास्थ्य निरीक्षक संजीव बिधूड़ी की टीम की तरफ से उनको चेतावनी भी दी गई है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल-2016 का पालन न करने, सूखे व गीले कूड़े को सेग्रिगेट कर उपचारित व निस्तारित न करने और कूड़े को इधर-उधर फेंकने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ओएसडी गुंजा सिंह ने कहा है कि जागरुकता अभियान के बाद कूड़े को प्रोसेस न करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों पर जुर्माना लगाने का अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा नेता नवीन भाटी ने किया रक्तदान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रक्तदान महादान को लेकर आज भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं ग्रेटर नोएडा मंडल के पूर्व मंत्री नवीन भाटी शाहदरा ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, इसलिए सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की मदद होती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ऐसी समस्या उत्पन्न हो जाती है कि लोगों को रक्त मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए सभी समाज के लोगों को आगे आकर रक्तदान करना चाहिए। नवीन भाटी ने कहा कि रक्तदान महादान है, इसलिए इस महादान अभियान को लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए।

जोमैटो का डिलीवरी ब्वॉय हादसे में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में पंचशील ग्रीन-2 के सामने कार चालक ने जोमैटो के डिलीवरी ब्वॉय को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से डिलीवरी ब्वॉय गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक उसे बेहोश छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मूल रूप से जनपद संभल का रहने वाला ललतेश पाल हाल में अपने परिवार के साथ बिसरख गांव में किराए पर रह रहा है। ललतेश पाल जोमैटो में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। 3 अगस्त को वह जोमैटो की डिलीवरी करने के लिए अपनी बाइक से जा रहा था। पंचशील ग्रीन सेकंड के सामने तेज रफ्तार में आ रहे कार चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ललतेश गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। ललतेश को गंभीर हालत में यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस संबंध में ललतेश के पिता तेजपाल सिंह ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। तेजपाल सिंह के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि हादसे के समय कार चालक शराब के नशे में था। पुलिस ने तेजपाल सिंह की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

कोर्ट के बाहर से कार चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित जिला न्यायालय के बाहर से चोरों ने एक अधिवक्ता की आई-10 कार पर हाथ साफ कर दिया। अधिवक्ता ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

ग्राम चांदपुर निवासी चमन सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता है और सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय में विधि व्यवसाय करते हैं। 19 जुलाई को उन्होंने अपनी आई-10 कार न्यायालय के गेट नंबर-1 के पास बाहर खड़ी की थी। शाम के समय जब वह अपने चैंबर को बंद कर घर जाने के लिए बाहर आए तो उनकी कार गायब थी। उन्होंने अपनी कार को आसपास काफी तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित अधिवक्ता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

डेरा प्रमुख राम रहीम को फिर मिली 40 दिन की पैरोल

रोहतक/सिरसा (एजेंसी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर पुनर्वास और सुधार की राह पर बाहर आए हैं। रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे राम रहीम को इस बार 40 दिन की पैरोल दी गई है, जो 5 अगस्त से 14 सितंबर तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान वह सिरसा स्थित अपने डेरा परिसर में रहेंगे, जहां समाज सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

राम रहीम इस बार 15 अगस्त को अपना 58वां जन्मदिन भी मनाएंगे। इस मौके पर डेरा सच्चा सौदा की ओर से रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण और सत्संग जैसे आयोजन प्रस्तावित हैं। डेरा अनुयायियों के अनुसार, यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सेवा भावना फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किए जाएंगे।

यह चौदहवीं बार है जब राम रहीम को जेल से बाहर आने का अवसर मिला है। हालांकि, इस बार भी कड़ी निगरानी और सुरक्षा के बीच ही उन्हें सिरसा में रहने की अनुमति दी गई है। प्रशासन ने साफ किया है कि पैरोल की सभी शर्तें सख्ती से लागू होंगी और उनकी सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

पिछले कुछ अवसरों पर पैरोल के दौरान राम रहीम ने ऑनलाइन सत्संगों के माध्यम से लाखों अनुयायियों को समर्पण, शांति और सेवा का संदेश दिया। डेरा प्रबंधन का कहना है कि इस बार भी कई ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्यक्रमों के जरिए वे समाज को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करेंगे।

गौरतलब है कि राम रहीम वर्तमान में CBI कोर्ट द्वारा दोष सिद्ध दो मामलों में सजा काट रहे हैं जिसमें साध्वियों के साथ यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या शामिल है। ऐसे में प्रशासनिक सतर्कता और न्यायिक निगरानी के साथ उन्हें पैरोल पर रिहा किया गया है।

मोबाइल छीन कर फरार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-62 में बाइक सवार बदमाश एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। सेक्टर-63 की एक कंपनी में जॉब करने वाले सनी यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 जुलाई की सुबह वह सेक्टर-62 मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-63 स्थित अपनी कंपनी के ऑफिस के लिए पैदल जा रहा था। वह जैसे ही बी ब्लॉक के पास पहुंचा तो पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उसने बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन बदमाश तेज गति में बाइक दौड़ाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

खास खबर

दोस्ती तोड़ना...

सुंदरम उसे तरह-तरह से परेशान करने लगा। आए दिन सुंदरम उसका पीछा कर उससे बात करने का प्रयास करता था। विमलेश के मुताबिक 1 अगस्त को वह अपने ऑफिस गई थी। इस दौरान सुंदरम ने उसके बॉस के मोबाइल फोन पर कॉल कर कहा कि विमलेश की मम्मी की तबीयत खराब है इसलिए विमलेश को वह बाहर भेज दें। विमलेश के मुताबिक उसने अपने पापा को फोन किया तो उन्होंने ऑफिस से बाहर आने के लिए मना किया। इसके बाद वह शाम के समय अपने पापा के साथ ऑफिस से घर पहुंची। विमलेश के मुताबिक सुंदरम आए दिन उसका पीछा व फोन कर उसे परेशान कर रहा है। सुंदरम की हरकतों की वजह से उसका बाहर निकलना भी बंद हो गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

कंपनी में चल रहा...

उल्टा उसके पिता से उसे ही कंपनी ना भेजने की हिदायत दे दी। उसके पिता द्वारा पूरे मामले की शिकायत करने के बाद उसे कंपनी से निकाल दिया गया।

सोनम का आरोप है कि कंपनी के अंदर सेक्स स्कैम चल रहा है। यहां पहले लड़कियों की प्राइवेट जानकारी ली जाती है। इसमें उनके बॉयफ्रेंड वगैरा की जानकारी भी ली जाती है। जानकारी लेने के बाद उन्हें सैलरी से अलग हर महीने चार या पांच हजार रुपए अलग से दिए जाने का ऑफर दिया जाता है। सोनम का आरोप है कि उसे भी सैलरी से अलग पैसे दिए जाने का ऑफर दिया गया था जिसे उसने मानने से इंकार कर दिया। उसके बाद उसे कंपनी से निकाल दिया गया। सोनम का कहना है कि कंपनी के सुपरवाइजर राजाराम व कल्याणी कंपनी में आने वाली युवतियों पर इस तरह का काम करने के लिए दवाब बनाते हैं। जो लड़की उनकी बात नहीं मानती उसे नौकरी से निकाल दिया जाता है।

थाना ईकोटेक-3 प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर कंपनी के सुपरवाइजर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

मानसी ज्वैलर्स के...

टीम ने उसका पीछा कर पकड़ने का प्रयास किया तो बाइक सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्यवाही में बदमाश के दोनों पैरो में गोली लग गई।

गिरफ्तार अभिषेक ने बताया कि मानसी ज्वैलर्स की घटना में शामिल कपिल और मनीष को उसने ही चोरी की मोटर साइकिल स्पलेन्डर व SWIGGY, BLINKIT की ड्रैस उपलब्ध करायी गयी थी। अभियुक्त उपरोक्त के संबंध में जानकारी की गयी तो अभियुक्त पूर्व में दिल्ली में डकैती व लूट की घटनाओं में जेल जा चुका है।

दिल्ली का शातिर...

फर्जी नंबर प्लेट लगी काले रंग की पल्सर बाइक बरामद हुई। मुठभेड़ के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर हरिया का साथी मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस ने कांबिंग की लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़ा।

एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में हरिश्चंद्र उर्फ़ हरिया ने बताया कि वह पल्सर बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में राह चलते लोगों से मोबाइल व चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अपने साथी के साथ मिलकर अंजाम देता है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति विरोध करता है तो वह उसे हथियार के बल पर भयभीत कर देते थे। एडीसीपी ने बताया कि हरिश्चंद्र उर्फ़ हरिया व उसका साथी अधिकतर अकेले चलती हुई महिलाओं व बुजुर्गों को अपना निशाना बनाते थे। पकड़े गए हरिश्चंद्र का दिल्ली में एक लंबा आपराधिक इतिहास है और उसे पर विभिन्न थानों में 31 मुकदमे पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि इसके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

ट्रक ने ली दो...

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो गायों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि तीसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। खुशीराम के मुताबिक ट्रक चालक मौके पर रुकने की बजाय घायल गाय को तड़पता छोड़कर अपने ट्रक को लेकर भाग गया। यह घटना पास ही लगे सीसीटीवी में भी रिकॉर्ड हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि चौकीदार खुशीराम की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। चौकीदार द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्रक नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश का प्रयास किया जा रहा है। वही गायों की मौत से लोगों में रोष व्याप्त हो गया था।

शराबी पत्नी ने छुड़ाए...

दिन अभद्र व्यवहार करती थी। उसकी हरकतों से परेशान होकर वह उसे उसके मायके छोड़ आया। इसके बाद वह नोएडा की एक सोसायटी में आकर रहने लगा। इस दौरान भी उसकी पत्नी उसे फोन कर अक्सर परेशान करती थी। राकेश के मुताबिक उसकी पत्नी आए दिन उसे फोन कर गंदी-गंदी गालियां देती है। पीड़ित ने अपनी पत्नी द्वारा दी जा रही गालियों से संबंधित एक रिकॉर्डिंग भी पुलिस को सौंपी है। पुलिस ने पीड़ित पति की शिकायत पर उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रक्षाबंधन पर खाद्य...

खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेंद्र कुमार पांडेय, ओ पी सिंह एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा सेक्टर 52 नोएडा स्थित श्री बीकानेर स्वीट्स से घेवर का 1 नमूना, सेक्टर-31 स्थित ओम स्वीट से घेवर का 1 नमूना, सेक्टर-31 नोएडा निठारी स्थित अग्रवाल स्वीट से घेवर का 1 नमूना, सेक्टर-44 स्थित बीकानेर मलाईवाला से 1 घेवर व 1 बर्फी का नमूना लिया गया। इसी टीम द्वारा सेक्टर 43 नोएडा स्थित हल्दीराम के रेस्टोरेंट से कॉटन सीड ऑयल का 1 नमूना तथा यूज्ड कुकिंग ऑयल का 1 नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 14 नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजे गए।

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे

मियामी। इंटर मियामी के कप्तान और अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को दाहिने पैर में मांसपेशियों में चोट लगी है, जिसके कारण वह अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में जानकारी दी कि 38 वर्षीय मेसी को यह चोट शनिवार को लीग्स कप के मुकाबले में नेकाक्सा (मेक्सिको) के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट से पहले लगी।

वह मैच की शुरूआत में ही 11वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए, हालांकि वह अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम पहुंचे। बयान में कहा गया, 'मेसी की मांसपेशियों में तकलीफ की गंभीरता जानने के लिए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में दाहिनी जांघ में मामूली चोट की पुष्टि हुई है। उनकी वापसी का समय उनके इलाज और रिकवरी पर निर्भर करेगा।' इसका मतलब है कि मेसी के मैदान पर लौटने को लेकर फिलहाल कोई निश्चित समय तय नहीं है।

मेसी ने इस एमएलएस सीजन में 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट किए हैं और वह लीग में संयुक्त रूप से टॉप स्कोरर हैं। मैच के अंतिम पलों में गोल कर मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाने वाले जोर्डी आल्बा ने कहा, 'मेसी का चोटिल होकर बाहर जाना टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है। पूरी टीम बेहद दुखी है।' इंटर मियामी इस सीजन 22 में से 12 मैच जीत चुकी है और 42 अंकों के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पांचवें स्थान पर है। टीम फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे है, लेकिन उसके पास 3 मैच अतिरिक्त हैं।

अगर मेसी लंबे समय तक बाहर रहते हैं तो यह इंटर मियामी के लिए लीग्स कप 2025 में बड़ा नुकसान हो सकता है, खासकर जब टीम 2023 में उनके आने के तुरंत बाद यह खिताब जीत चुकी है।

24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हरमनप्रीत होंगे कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चार मैचों की सीरीज 15 अगस्त से 21 अगस्त तक पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में खेली जाएगी। यह दौरा 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप (वर्ल्ड कप क्वालिफायर) से पहले एक अहम अभ्यास अवसर माना जा रहा है। टीम की कमान स्टार ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है।

टीम में कृष्ण पाठक और सुरज कारकेरा को गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है। डिफेंडर्स में हरमनप्रीत के साथ सुमित, जर्मनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीव जेस़, जुगराज सिंह और कर्नाटक के युवा खिलाड़ी पूवन्ना सीबी को भी जगह मिली है। मिडफील्ड में युवा राजिंदर सिंह को मौका मिला है, जिन्हें पूर्व कप्तान सरदार सिंह की तरह देखा जा रहा है। उनके साथ राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम और विष्णु कांत सिंह को मिडफील्ड की ज़िम्मेदारी दी गई है।

फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, शीलानंद लकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्थी और आदित्य लालगे को चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ जा रहे हैं, ताकि एशिया कप से पहले फिटनेस और तकनीकी कौशल पर काम किया जा सके। हम कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दे रहे हैं ताकि वे दबाव में खुद को साबित कर सकें। यह दौरा टीम और व्यक्तिगत लय को बनाने का अच्छा अवसर है।' भारतीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में प्रशिक्षण कर रही है और 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीमः

गोलकीपरः कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा।

डिफेंडर्स : सुमित, जर्मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप एक्सेस, जुगराज सिंह, पूवन्ना सीबी।

मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, विष्णु कांत सिंह।

फॉरवर्ड्स : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य लालगे।

एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत

सिरसा। साउथ कोरिया में आयोजित 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण और सिल्वर पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे सिरसा के शाह सतनाम जी गर्ल्स शिक्षण संस्थान की खिलाड़ियों का सोमवार को संस्थान में भव्य स्वागत किया गया। प्रिंसिपल डा. शीला पूनियां ने कहा कि हरियाणा रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के सहयोग से यह मुकाम हासिल हुआ है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए डेरा में इंटरनेशनल स्तर के खेल मैदान उपलब्ध कराए हैं, जिसकी बदौलत खिलाड़ी यह सफलता प्राप्त कर रहे हैं। संस्थान की स्पोर्ट्स डायरेक्टर रिशू ने बताया कि 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में संस्थान की 9 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जूनियर रिंक हॉकी में सिमरजीत, आंचल कंबोज और अमनदीप ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं जूनियर इन लाइन हॉकी में रविंद्र कुमारं, पितांशी, अश्मीत और गजलप्रीत ने इरान, चीन और साउथ कोरिया की टीमों को हराकर सिल्वर पदक जीता। सीनियर वर्ग में अश्मी और सतवीर ने भाग लिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल संस्थान बल्कि पूरे सिरसा जिले और देश का नाम रोशन किया है।

टोरंटो मास्टर्स : बेन शेल्टन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो। अमेरिका के चौथे वरीय खिलाड़ी बेन शेल्टन ने इटली के 13वें वरीय फ्लावियो कोबोली को हराकर नेशनल बैंक ओपन (टोरंटो मास्टर्स) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। रविवार रात खेले गए इस मुकाबले में शेल्टन ने 6-4, 4-6, 7-6 (1) से रोमांचक जीत दर्ज की। 22 वर्षीय शेल्टन तीसरे सेट में 2-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए उन्होंने मुकाबला टाईब्रेक तक ले जाकर जीत हासिल की। यह उनकी करियर की 100वीं जीत रही, जिसे उन्होंने 169 मुकाबलों में हासिल किया है। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, 'बहुत मुश्किल मुकाबला था।

मैं तीसरे सेट में एक ब्रेक से पीछे था और जिस तरह वह खेल रहा था, उससे मैं काफी दबाव में था। लेकिन मैंने खुद को एक और मौका दिया और उसका फायदा उठाया।' अब क्वार्टरफाइनल में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। शेल्टन के नाम दो एटीपी टूर खिताब हैं- एक 2023 में टोक्यो के हार्ड कोर्ट पर और एक 2022 में ह्यूस्टन के क्ले कोर्ट पर। उन्होंने कहा, 'मैं अपने दो सबसे बड़े हथियार सर्व और फोरहैंड से जूझ रहा था, लेकिन आखिरी में मानसिक मजबूती और फाइटिंग स्पिरिट ने काम किया।'

एएआई ने की आर्चरी लीग के पहले संस्करण की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी को नई उड़ान देने के लिए आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सोमवार को देश की पहली फ्रेंचाइजी आधारित आर्चरी लीग की घोषणा की। यह लीग भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर तीरंदाजी को एक नया पेशेवर मंच प्रदान करेगी, जिसमें भारत और विदेश के शीर्ष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज भाग लेंगे।

लीग का उद्देश्य भारतीय तीरंदाजों को ओलंपिक जैसे दबाव वाले माहौल में प्रदर्शन करने का अवसर देना है, जिससे उनका आत्मविश्वास और अनुभव दोनों बढ़े। छह फ्रेंचाइजी टीमों में बंटे इन खिलाड़ियों के बीच मुकाबले दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अक्टूबर में 11 दिनों तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में रिकर्व तीरंदाज 70 मीटर और कंपाउंड तीरंदाज 50 मीटर की दूरी से, फ्लडलाइट्स में निशाना लगाएंगे—जो विश्व तीरंदाजी में पहली बार देखा जाएगा। एएआईअध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, 'यह केवल एक लीग नहीं है, बल्कि उन हजारों ग्रामीण तीरंदाजों का सपना है, जो वर्षों से एक बड़े मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह मंच उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने हुनर को दिखाने का अवसर देगा।'

एएआईके महासचिव वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, 'भारतीय तीरंदाजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार देश का नाम रोशन किया है।

क्रिकेट और कबड्डी जैसी लीगों से प्रेरणा लेकर हमने यह आर्चरी लीग शुरू की है, जो खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की तैयारी के लिए मदद करेगी।' वर्ल्ड आर्चरी के महासचिव टॉम डीलन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, 'यह लीग भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों को प्रतिस्पर्धी वातावरण में खुद को बेहतर करने का शानदार अवसर देगी।'

स्टॉक मार्केट में रेपोनो की कमजोर एंट्री लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी रेपोनो लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरूआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 6.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ इसकी लिस्टिंग 89.99 रुपये के स्तर पर हुई।

कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर थोड़ी ही देर में गिर कर 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.94 प्रतिशत का नुकसान हो गया। रेपोनो लिमिटेड का 26.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64.95 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 29.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 107.34 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 67.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27,79,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी फोर्कलिफ्ट, हैंड पैलेट ट्रॉली और रीच स्टैकर की खरीदारी करने, वेयरहाउस रैकिंग सिस्टम का सेटअप तैयार करने, वेयरहाउस मैनेजमेंट के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में इसका शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 23.21 प्रतिशत उछलकर 5.15 करोड़ और कुल इनकम 51.11 प्रतिशत बढ़कर 51.59 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज भी बढ़ा और ये 3.54 करोड़ रुपये के स्तर से उछल कर 6.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई। एमपीसी की समीक्षा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए फैसलों की जानकारी 6 अगस्त को देंगे। रिजर्व बैंक एक बार फिर नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और ग्लोबल अनिश्चितता से सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी (ग्रोथ) पर असर पड़ सकता है।

ऐसे में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है, ताकि ग्रोथ को सपोर्ट मिल सके। रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। आरबीआाई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिसका फायदा वो ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। रिजर्व बैंक ने इस साल लगातार तीन बार नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 1 फीसदी की कटौती कर चुका है।

आरबीआई ने फरवरी में हुई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को 6.50 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया था। ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई बैठक में भी ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई गई, जबकि तीसरी बार रेपो रेट में 0.50 कटौती जून में हुई। अभी रेपो रेट 5.50 फीसदी पर है।

मॉयल का जुलाई में मैंगनीज अयस्क उत्पादन रिकॉर्ड 1.45 लाख टन रहा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई में रिकॉर्ड 1.45 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है। ये अबतक का सर्वाधिक उत्पादन है और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा है। इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि कहा कि सक्रिय मानसून के बाद भी मॉयल ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान मजबूत परिचालन का प्रदर्शन किया, जिससे उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी बढ़कर 6.47 लाख टन और बिक्री सालाना आधार पर 10.7 फीसदी बढ़कर 5.01 लाख टन हो गया है। इसके साथ ही अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.4 फीसदी बढ़कर 43,215 मीटर हो गई है।

अडानी समूह ने बीवाईडी और बीजिंग वेलियन के साथ गठजोड़ से किया इंकार

नई दिल्ली। अडानी समूह ने सोमवार को ब्लूमबर्ग की प्रकाशित उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि समूह भारत में बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीतिक साझेदारी के लिए चीन की कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बताया कि ब्लूमबर्ग की 4 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में समूह और चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच साझेदारी को लेकर दावा किया गया है। बयान के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से परे है। अडाणी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी की संभावनाएं नहीं तलाश रहा है।

इसी तरह बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी हमारा कोई संवाद या साझेदारी की योजना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि अडानी समूह भारत में बैटरी बनाने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए चीनी इलेक्ट्रिक वाहन दिग्गज बीवाईडी कंपनी के साथ गठजोड़ की संभावना तलाश रहा है।

उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे में ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.46 प्रतिशत से लेकर 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयर 1.46 प्रतिशत से लेकर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,529 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,391 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,902.93 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने थोड़ी ही देर में लाल निशान में 80,500.51 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर दिखाया, जिससे ये सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 129.98 अंक की मजबूती के साथ 80,729.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,669.95 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये कुछ देर के लिए लाल निशान में 24,554 अंक तक गिर भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 63.70 अंक की बढ़त के साथ 24,629 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एयर इंडिया की फ्लाइट में कॉकरोच देखे जाने की शिकायत पर एयरलाइन ने दी सफाई

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन की फ्लाइट में सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के दौरान कॉकरोच देखे जाने के बाद विमान की आपातकालीन गहन सफाई की गई। इसके बाद एयरलाइन को माफी मांगने के साथ तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने पड़े।

इस उड़ान संख्या एआई 180 में सवार उन दो यात्रियों को उसी केबिन की दूसरी सीटों पर स्थानांतरित कर दिया गया, जिन्होंने कुछ छोटे कॉकरोच होने की शिकायत की थी। एयर इंडिया ने सोमवार को एक बयान में बतया कि सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली उड़ान संख्या एआई180 में दो यात्री विमान में कुछ छोटे-छोटे कॉकरोच देखकर परेशान हो गए। इसलिए हमारे केबिन क्रू ने दोनों यात्रियों को उसी केबिन की दूसरी सीटों पर बिठा दिया, जहां वे आराम से बैठ गए। बयान में कहा गया कि कोलकाता में ईंधन भरने के दौरान ग्राउंड क्रू ने समस्या के समाधान के लिए तुरंत गहन सफाई की। एयरलाइन का कहना है कि नियमित फ्यूमिगेशन के बावजूद कभी-कभी ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कीड़े विमान में घुस जाते हैं। एयर इंडिया ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा कि वह स्त्रोत और कारण का पता लगाकर भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाएगी। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। एयर इंडिया के विमान में आए दिनों कोई न कोई समस्या सुनने को मिल रही है।

इससे पहले रविवार को भी एक विमान में तकनीकी समस्या से संबंधित दो मामले सामने आए थे। पहली घटना कोलकाता जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान तकनीकी खराबी के बाद बेंगलुरु लौट गई।

'नैनोटैक्नोलॉजी' में रोजगार के अवसर

टैक्नोलॉजी की ही एक ब्रांच है नैनोटेक्नोलॉजी। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटैक्नोलॉजी क्या है?

नैनोटैक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है, जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन रसायन विज्ञान से लेकर कम्प्यूटर विज्ञान तक- अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है।

नैनोटैक्नोलॉजी टैक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

नैनोटैक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमैडिकल, कैमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर साइंस में बी.टेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी. एससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी.एससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक/ जैव चिकित्सा/ रसायन/ जैव प्रौद्योगिकी/ इलैक्ट्रॉनिक्स / कम्प्यूटर विज्ञान में बी.टेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बी.टेक एम.टेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्या स्कोप है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आई.टी. और इंटरनैट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बेंगलूर और चेन्नई आई.टी. और मैडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टैक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटैक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटैक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिक के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटैक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं, उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर हैं। पी. एचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

मास्टर पाठ्यक्रम : नैनोटैक्नोलॉजी में एम.एससी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.एससी; नैनोटैक्नोलॉजी में एम.टेक; सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एम.टेक; नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एम.टेक।

डॉक्ट्रेट पाठ्यक्रम : नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी।

कई स्टूडेंट्स का विदेश में जाकर पढ़ाई करने का सपना होता है। अगर आप भी विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी करनी चाहती हैं तो आप किस तरह से फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

विदेश में ऐसी कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज हैं जो हायर एजुकेशन के लिए बेस्ट माने जाते हैं। अगर आप भी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहती है, लेकिन आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि किस तरह से इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करनी चाहिए तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

फीस की पूरी जानकारी हासिल करें

आपको जिस भी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करनी है उसकी सारी डिटेल्स पता करें। यूनिवर्सिटी में कौन-कौन से कोर्स ऑफर किए जाते हैं इसके बारे में पता करने के साथ-साथ फीस के बारे में भी पूरी जानकारी हासिल करें। इसके बाद आपको फीस के अनुसार अपना बजट तय करना होगा। (विदेश में करना चाहती हैं पढ़ाई तो आसानी से इन सरकारी स्कीम में करें अप्लाई)इसके अलावा यह भी पता करें कि यूनिवर्सिटी किसी प्रकार की स्कॉलरशिप देती है या नहीं। आपको बता दें कि कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटीज तो स्कॉलरशिप में फीस का हिस्सा पूरी तरह से माफ कर देती हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स को सिर्फ विदेश में रहने के लिए ही खर्च करना पड़ता है।

बजट तय करना है जरूरी

विदेश में पढ़ाई पूरी करने के लिए सही तरह से बजट बनाना बहुत जरूरी होता है। इसमें आपको विदेश में रहने का खर्च और अन्य खर्चों को ध्यान में रखना होगा। अगर आप लोन लेने पर विचार कर रही हैं तो लोन लेने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि जो लोन आप लेंगी उसमें क्या-क्या कवर होगा। साथ ही आपको विदेश में पार्ट टाईम जॉब के लिए भी अप्लाई करना चाहिए। इससे आपके विदेश में रहने का खर्च आप संभाल पाएंगी।

आपको यह भी बता दें कि आप जिस भी जगह पढ़ाई के लिए जा रही हैं वहां के नियम-कानून के बारे में पहले से पता कर लें क्योंकि कुछ देशों में ऐसा भी है जहां जॉब करने की छूट नहीं होती है।

पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें

ज्यादातर लोग एजुकेशन लोन ले तो लेते हैं पर उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं होती है कि उनकी पढ़ाई पर कितना खर्च हो रहा है इसलिए यह जरूरी है कि आप पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें और साथ ही लोन के री-पेमेंट की स्ट्रैटेजी को बनाएं।

इन सभी टिप्स की मदद से आप विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी कर सकती हैं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

पढ़ने के लिए घर से भागे, बेचने पड़े पत्नी के गहने

एक छोटे-से गांव के किराना दुकानदार के बेटे तुषार मित्तल कई संघर्षों और चुनौतियों से जूझकर आज करोड़ों रुपये के कारोबार के मालिक बने हैं। उन्होंने जीवन की हर कठिनाई को अवसर में बदला और स्टूडियोकॉन वेंचर्स जैसी एक सफल कंपनी खड़ी की...

वर्षों पहले रुदावल में, एक 12 वर्षीय लड़का अपनी तामील हासिल करने के लिए जूझ रहा था। उसके पिता गांव में ही छोटा-सा किराना स्टोर चलाते थे। व्यवसाय ज्यादातर उधार पर चलता था, भुगतान में देरी होना आम बात थी, इसलिए उसके पिता को घर और दुकान चलाने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही थी। और बुरा तो तब हुआ जब एक साल भीषण आग लग गई, जिससे न सिर्फ घर और दुकान, बल्कि उस बच्चे के सपने भी जलकर खाक हो गए। हालांकि, उसके पिता ने फिर से शुरुआत की और अपने बेटे को इस काबिल बनाया कि वह जीवन में मनचाहा मुकाम हासिल कर सके।

वह 12 साल का लड़का कोई और नहीं स्टूडियोकॉन वेंचर्स (एसकेवी) के मालिक तुषार मित्तल हैं, जिन्होंने जिंदगी में गिरकर उठने का गुण अपने पिता से ही सीखा है। एक समय किसी ने सोचा भी नहीं था कि जो लड़का स्कूल जाने के लिए इतना संघर्ष कर रहा है, वही एक दिन करोड़ों रुपये का व्यापार करेगा। तुषार मित्तल की कहानी युवाओं के लिए एक मिसाल है कि अगर कुछ पाने का जज्बा और संकल्प हो, तो कोई चुनौती या बाधा मंजिल तक पहुंचने का आपका रास्ता नहीं रोक सकती।

तुषार मित्तल पैदल चलकर ही सरकारी स्कूल जाते और पढ़ाई करते। उस समय ज्यादातर शिक्षक पढ़ाने पर खास ध्यान नहीं देते थे। स्कूल में पढ़ाई की गुणवत्ता तो खराब थी ही, घर में आर्थिक तंगी भी थी, सो तुषार को पढ़ाई छोड़कर पिता के साथ किराने की दुकान पर बैठना पड़ा। हालांकि, उनके चाचा पढ़ाई करने के लिए हमेशा उनकी हौसला अफजाई करते थे। उन्हीं से प्रेरित होकर वह आगे पढ़ाई करने के लिए घर से भाग गए। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदारों की मदद से आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए कोटा की एक कोचिंग संस्थान में दाखिला ले लिया।

कोटा में तुषार मित्तल ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। आईआईटी में दाखिले की प्रवेश परीक्षा के अपने पहले प्रयास में वह असफल तो हुए ही, आर्थिक तंगी के चलते फिर से तैयारी भी न कर सके। हालांकि, आईआईटी में तो नहीं, लेकिन कोटा के ही एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में उन्हें प्रवेश मिल गया। एजुकेशन लोन से फीस का तो जुगाड़ हो गया, लेकिन कोटा में गुजर-बसर करने के लिए भी पैसे चाहिए थे। इसके लिए उन्होंने पार्ट-टाइम जॉब करना शुरू कर दिया और कोटा में एक कैंटीन भी चलाई। यह पहली बार नहीं था जब तुषार ने अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया था। बचपन में भी वह अपने पिता से पैसे लेकर कॉमिक्स खरीदते थे और फिर उन्हें अपने दोस्तों को किराए पर देकर दो-चार पैसे कमा लेते थे।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जब तुषार दिल्ली पहुंचे, तो कुछ दिन उन्हें निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर गुजारने पड़े, क्योंकि उनके पास कमरा लेने के लिए पैसे नहीं थे। कुछ समय बाद उनकी नौकरी डीएलएफ में लग गई। हालांकि, उन दिनों वह संवाद कौशल की समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें लगता था कि शहर में भाषा किसी गांव के लड़के को कभी आगे नहीं बढ़ने देगी। वह देर रात तक काम करते थे, ताकि इस कमी की भरपाई मेहनत से की जा सके।

डेढ़ साल से भी कम समय में उन्होंने डीएलएफ की नौकरी छोड़ दी और खुद का बिजनेस शुरु करने का फैसला किया। हालांकि, उनके शुरुआती दो धंधे पार्टनर के विश्वासघात के कारण असफल हो गए। इसके बाद तुषार मित्तल ने स्टूडियोकॉन वेंचर्स (एसकेवी) की स्थापना की। कुछ ही समय में कंपनी 100 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच गई। हालांकि, कुछ समय बाद ही कंपनी को 80 करोड़ रुपये का घटा भी हुआ, जिससे उबरने के लिए उन्होंने गुरुग्राम स्थित अपना ऑफिस, पत्नी के सारे गहने बेच दिए और जीवन भर की बचत लगा दी। लगभग एक साल बाद धंधा फिर से पटरी पर आ गया, जब कंपनी ने 121 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया। वित्तीय वर्ष 2024 में एसकेवी का राजस्व लगभग 226 करोड़ रुपये का था।

युवाओं को सीख

अगर अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरे दिल से मेहनत की जाए, तो सफलता जरूर मिलती है।

अगर आप लक्ष्य बनाकर हौसले के साथ अगर किसी काम को अंजाम देंगे, तो एक दिन मंजिल को पा ही लेंगे।

मुश्किलें तो आती-जाती रहेंगी, अपने लक्ष्य पर टिके रहना मायने रखता है।

रेलवे में 10000+ पदों पर बंपर भर्तियां, 10वीं-आईटीआई पास युवाओं के लिए सुनहरा मौका

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रेलवे ने एक बार फिर सुनहरा मौका पेश किया है। रेलवे भर्ती बोर्ड , पूर्वी रेलवे और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने मिलकर कुल 10,000 से ज्यादा पदों पर बंपर भर्ती का ऐलान किया है। इनमें 10वीं, 12वीं, ITI और इंजीनियरिंग डिप्लोमा पास युवाओं के लिए विभिन्न पद शामिल हैं।

पूर्वी रेलवे में 3115 पदों पर निकली बंपर वैकेंसी

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। पूर्वी रेलवे , कोलकाता डिवीजन ने वर्ष 2025 के लिए 3115 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का कक्षा 10वीं पास होना अनिवार्य है, साथ ही उसके पास राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद से मान्यता प्राप्त ITI सर्टिफिकेट भी होना चाहिए। ITI किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किया गया हो तो ही उम्मीदवार पात्र माना जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त 2025 से शुरू होगी और इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन कर दें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 सितंबर 2025 निर्धारित की गई है और आवेदन शुल्क का भुगतान भी इसी तारीख तक किया जा सकता है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से जमा करना होगा, जिसके लिए उन्हें आधिकारिक वेबसाइट www.rrcer.org पर जाकर आवेदन फॉर्म भरना होगा।

13 पदों पर आवेदन का मौका

पूर्वी रेलवे द्वारा लेवल-1 और लेवल-2 के कुल 13 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेवल-2 पदों के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं में न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है या फिर 10वीं पास उम्मीदवार जिनके पास NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त ITI या NAC प्रमाणपत्र है, वे भी आवेदन के पात्र हैं। वहीं लेवल-1 पदों के लिए केवल 10वीं पास या 10वीं के साथ ITI/NAC प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 जुलाई 2025 से शुरू हो चुकी है और अंतिम तिथि 8 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट www.rrcer.org पर जाकर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

10वीं से लेकर डिग्री धारकों के लिए मौका

रेलवे भर्ती बोर्ड ने हाल ही में टेक्नीशियन पदों पर होने वाली भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी थी। अब उम्मीदवार 7 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 6238 पद भरे जाएंगे, जिसमें टेक्नीशियन ग्रेड-I (सिग्नल) के लिए 183 पद आरक्षित हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता में B.Sc. (Physics/Electronics/Computer Science/IT/Instrumentation) या BE/B.Tech या तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा शामिल है। वहीं, टेक्नीशियन ग्रेड-III के 6055 पदों के लिए उम्मीदवारों के पास या तो 10वीं + ITI प्रमाणपत्र होना चाहिए या फिर फिजिक्स और मैथ्स के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट www.rrbapply.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

चेन्नई में 1010 पदों पर ITI पास उम्मीदवारों के लिए अवसर

इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF), चेन्नई ने वर्ष 2025 में 1010 अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के लिए केवल ITI प्रमाणित उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर की जाएगी, जिससे योग्य और मेहनती उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलेगी। इच्छुक उम्मीदवार अपनी पात्रता जांचने के बाद आधिकारिक वेबसाइट pb.icf.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 11 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

बीओबी में 2500 पदों के लिए स्नातक करे आवेदन

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निकाली गई लोकेशन बिजनेस ऑफिसर भर्ती 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया कल, 3 अगस्त 2025 को समाप्त हो रही है, जो भी इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी अभी तक आवेदन नहीं कर सके हैं, वे जल्द से जल्द बैंक की आधिकारिक वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 2500 पदों को भरा जाना है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शामिल होंगे।

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार का किसी भी विषय में स्नातक होना अनिवार्य है। आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। बैंकिंग, फाइनेंस या सेल्स फील्ड में अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऐसे होगा चयन

चयन प्रक्रिया में सबसे पहले योग्य आवेदकों की स्क्रीनिंग या शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी। इसके बाद ऑब्जेक्टिव टाइप लिखित परीक्षा आयोजित होगी।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क

आवेदन शुल्क वर्ग के अनुसार निर्धारित है। सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 600 रुपये और SC/ST/PwD वर्ग के लिए 100 रुपये आवेदन शुल्क है।

यूपी के विश्वविद्यालय में निकलीं असिस्टेंट प्रोफेसर की ढेरों नौकरियां

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UP-RTOU), प्रयागराज ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह नियुक्तियां संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) आधार पर की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 18 अगस्त 2025, शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप और विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.up-rtou.ac.in पर उपलब्ध है, जहां से फॉर्म डाउनलोड किया जा सकता है।

पात्रता मानदंड और अनुभव

इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यताएं यूजीसी, एनसीटीई, एआईसीटीई, आरसीआई तथा विश्वविद्यालय अधिनियम के नियमानुसार निर्धारित की गई हैं।

विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि डिस्टेंस ओपन एजुकेशन में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जा सकती है।

साक्षात्कार या लिखित परीक्षा से संबंधित सूचना उम्मीदवारों को केवल ईमेल के माध्यम से भेजी जाएगी। इसके अलावा, साक्षात्कार की तिथि या समय में किसी भी प्रकार के परिवर्तन अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

विषयवार पदों का विवरण

कंप्यूटर साइंस और पोषण, भोजन एवं आहार विज्ञान विषयों में पांच-पांच पद निर्धारित किए गए हैं। वहीं पर्यावरण विज्ञान और प्रबंधन विषयों में तीन-तीन पद भरे जाएंगे। इसके अलावा गृह विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र और सांख्यिकी जैसे विषयों में दो-दो पद रिक्त हैं।

आरक्षण व्यवस्था

कुल 35 पदों में से 13 पद अनारक्षित, 9 पद ओबीसी, 8 पद अनुसूचित जाति (SC), 4 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और 1 पद अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित किया गया है। आरक्षण की व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार के नियमानुसार लागू होगी।

संविदा पद और मानदेय

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए की जा रही ये सभी नियुक्तियां संविदा आधार पर होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चयनित अभ्यर्थियों को प्रति माह 38,000 रुपये का नियत मानदेय दिया जाएगा। यह अनुबंध अधिकतम छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

आवेदन शुल्क और भुगतान का तरीका

इन पदों के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये निर्धारित है। हालांकि, अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) एवं दिव्यांग (PwD) श्रेणी के उम्मीदवारों को राहत देते हुए केवल 500 रुपये शुल्क लिया जाएगा। आवेदन शुल्क का भुगतान दो माध्यमों से किया जा सकता है:

'कांतारा 2' की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा। साल 2012 में उन्हें टीवी शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें इंडियन टेली अवार्ड्स भी मिला।

टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो गुलमोहर ग्रैंड में अनाहिता मेहता फर्नांडीज के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में बॉक्स क्रिकेट लीग में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में ऐ जिंदगी के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई। आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म मल्ली रावा से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म देवदास में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों मेथी के लड्डू और कैद में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैलवान में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज परंपरा से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में एस्केप लाइव में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने रंगबाज- डर की राजनीति और तेलुगु एंथोलॉजी मीट क्यूट में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म रनवे 34 में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म क्लैप, तमिल फिल्म वीरपांडियापुरम, और तेलुगु फिल्म सिवुडु में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड, बेंच लाइफ, षष्ठीपूर्ति, और खाकी- बंगाल चैप्टर जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

अब कभी एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज ईरानी

अभिनेता कायोज ईरानी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने सरजमीं से फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया है। उन्होंने इस बात को माना है कि वह एक्टिंग के लिए नहीं बने हैं। बॉलीवुड में एक्टिंग करने के बाद कायोज ने फिल्म बनाने की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज अजीब दास्तान का निर्देशन किया।

कायोज ने फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया

कायोज ने कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म बनाने का अनुभव लेने के बाद कायोज ने फैसला किया कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल फिल्म सरजमीं में करेंगे। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन में कदम रखा। उन्होंने बताया काजोल और पृथ्वीराज ने मुझे कभी यह नहीं लगने दिया कि मैं नया निर्देशक हूं। जब भी वो सेट पर रहे उन्होंने हमें बहुत इज्जत दी। उन्होंने मुझे सुना और यह एहसास दिलाया कि मैं उनका हिस्सा हूं।

एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज

कायोज ने यह माना कि उनका एक्टिंग की तरफ लौटने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैमरे के पीछे सहज महसूस करते हैं। एक्टिंग उनके लिए नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि आप हमें दोबारा एक्टिंग करते हुए देख पाएंगे क्योंकि मैं फिल्म बना रहा हूं। मैं हमेशा से यही करना चाहता था। मैं कैमरे के पीछे सहज हूं। यही मेरा मकसद था। आपको निराश करने के लिए मैं शर्मिंदा हूं। मुझे नहीं लगता कि एक्टिंग मेरे लिए है। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अदाकारी करने के अलावा कायोज ने यंगिस्तान और द लीजेंड ऑफ मिशेल मिश्रा में भी अदाकारी की।

फिल्म सरजमीं के बारे में

फिल्म सरजमीं में काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसके निर्माता करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता और अदार पूनावाला हैं। फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज हुई है। फिल्म में काजोल, पृथ्वीराज और इब्राहिम की आदाकारी की काफी तारीफ हुई है।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।

डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने, खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।' इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा। बता दें कि 'सैयारा के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

करण जौहर के साथ गहराइयां 2 भी करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

गली बॉय और गहराइयां से पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब धड़क 2 में नजर आ रहे हैं उन्होंने सीए से एक्टिंग तक के सफर, आउटसाइडर होने की चुनौतियों और नई फिल्म के अनुभवों पर खुलकर बात की...

बतौर आउटसाइडर इंडस्ट्री में अपने सफर को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरा सफर कभी भी पूरी तरह सहज नहीं रहा। वैसे भी, जिंदगी का रास्ता अक्सर ऊबड़-खाबड़ ही होता है। जब मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दुनिया छोड़कर अभिनय का फैसला किया, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी आंतरिक लड़ाई थी। एक तरफ सुरक्षित करियर और परिवार का सपोर्ट था, जबकि दूसरी तरफ अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही अनिश्चितता का साया मंडरा रहा था। कोई वादा नहीं, कोई गारंटी नहीं, न लॉन्चिंग की सुविधा। उस वक्त मुझे बस खुद पर यकीन करना था। मैंने खुद से कहा, अगर मैं डूबा भी तो खुद की वजह से डूबूंगा लेकिन कोशिश में कमी नहीं रखूंगा। यह मेरे भीतर की गहन जंग थी, जिसमें खुद को लगातार समझाना पड़ता था कि मेरे सपने टूटने नहीं चाहिए।

आपको क्या चीज प्रेरणा देती है कि आप एक्टिंग के लिए ही बने हैं?

मुझे मुझे लगता है आत्मविश्वास दो तरीकों से आता है, भरोसा और अनुभव। भरोसा तब मजबूत होता है जब आपमें यह विश्वास हो कि मैं कर सकता हूं और अनुभव के साथ यह और भी पक्का होता जाता है। बचपन में जब मैं शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों या गांव के आयोजनों में डीजे पर नाचता था, तो लोग बहुत खुश होते थे। उन दिनों मुझे फिल्मी डायलॉग बोलने का भी बहुत शौक था। धीरे-धीरे मुझमें भरोसा पैदा हुआ कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं।

सेंसर बोर्ड के कट्स से फिल्म पर क्या असर पड़ा?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि कोई खास फर्क पड़ा है। फिल्म देखकर हमें नहीं लगा कि कुछ छूटा है जो मामूली बदलाव हुए वे इतने छोटे है कि दर्शकों को पता भी नहीं चलेगा। सेंसर बोर्ड ने भी काफी समझदारी दिखाई और एक नपा-तुला रास्ता निकाला है। इमोशन और सीन्स की गहराई वैसी की वैसी बनी हुई है।

किस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे?

सीक्वल करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर गहराइयां 2 बनती है, तो मैं जरूर करना चाहूंगा। उस फिल्म में जो इमोशनल गहराई थी, वह मुझे अब भी बहुत ज्यादा अपील करती है। मुझे लगता है कि आज के दौर में वैसी फिल्में ही दर्शकों के दिल को छूती हैं। आम लव स्टोरीज का दौर अब थोड़ा पुराना हो गया है।

इतने बड़े बैनर से जुड़ना आपके लिए कैसा रहा?

धर्मा प्रोडक्शंस के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले मैंने गहराइयां में करण जौहर के साथ काम किया था और वहां हमारी अच्छी ट्यूनिंग बनी। करण सर ने खुद मुझे कॉल करके इस फिल्म का नरेशन सुनने के लिए बुलाया। शाजिया (डायरेक्टर) और राहुल ने कहानी सुनाई और मुझे तुरंत लगा कि यह स्क्रिप्ट दमदार है। उस समय नाम धड़क 2 नहीं था। यह एक स्वतंत्र कहानी की तरह थी। मुझे यह किसी प्रेशर की तरह नहीं लगी।

विधायक ने गेझा और भंगेल में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह ने

भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के साथ नोएडा के ग्राम भंगेल एवं सलारपुर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और शैक्षिक व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण की शुरुआत ग्राम गेझा, भंगेल एवं सालारपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय से हुई, जहां छात्रों की उपस्थिति, शिक्षण गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों और विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया गया। श्री सिंह ने बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों और जरूरतों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए तथा प्रत्येक छात्र को एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण मिले।

विधायक पंकज सिंह ने भंगेल गांव में सड़क, नाली, सीवर एवं जल निकासी से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने एलिवेटेड रोड के निर्माण के दौरान हुई क्षतिग्रस्त सड़कों और जलभराव की समस्या पर विशेष ध्यान देते हुए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

सलारपुर क्षेत्र में भी पंकज सिंह ने विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने घोषणा की कि पुराने बारात घर को तोड़कर नया भवन बनाया जाएगा तथा नई सीवर और जल आपूर्ति लाइनों की स्थापना की जाएगी।

इस अवसर पर मेहरचंद लंबरदार, धर्मवीर त्यागी, विनोद त्यागी, अमित त्यागी, उज्ज्वल सिंह, संजय त्यागी, सहदेव गुरु जी, राजेंद्र शर्मा, डॉ. अरुण त्यागी, दिनेश कुमार, एडवोकेट बृजेश, एडवोकेट संदीप, सतीश शर्मा, सुखपाल कोरी, मनोज महाशय, सत्य प्रकाश त्यागी, डिंपल आनंद, महेश अवाना, ओमवीर अवाना, भूपेश चौधरी, अतुल त्यागी, पंकज झा, अशोक मिश्रा, देवेंद्र भदौरिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

माहेश्वरी समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। माहेश्वरी समाज, नोएडा की ओर से अग्रवाल ऑडिटोरियम में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

संस्था की ओर से 'मिट्टी की खुशबू' की थीम पर नई एवं पुरानी शैली के विभिन्न नृत्यों की बहुत ही सुन्दर एवं मनमोहक प्रस्तुति, ऑपरेशन सिन्दूर को प्रदर्शित करते हुए पर पेश की गई।

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही समाज के 46 प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान भी किया गया। लक्ष्य चांडक को 12th में 91 प्रतिशत अंक लाकर समाज को गौरवान्वित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। अनिश डाड, अर्नव राठी, श्रेया हेडा, ने इस वर्ष कक्षा 10 में 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किये। समाज के 2 अन्य छात्रों, कृष्णा गग्गर को IIT मुंबई से बी.टेक. एवं रिषभ राठी को आईआईएम कोलकाता से MBA की उपाधि प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया।

संस्था के अध्यक्ष कपिल लखोटिया ने सभी अथितियों का स्वागत करते हुए कहा की आज माहेश्वरी समाज सभी क्षेत्रो में देश की प्रगति में अग्रणी रूप से भागीदार है।

महासचिव सुशील चांडक एवं कोषाध्यक्ष वासु राठी ने कार्यक्रम के सफल संयोजन के

लिए सभी कार्यकर्ताओं को ध्यन्यवाद दिया।

काग्रक्रम में आर.पी. सोनी, अनिल लाहोटी, डॉ रवि मोहता, नरेन्द्र पंफालिया, मनोज अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, विजय सोनी, श्यामसुंदर सोनी, गिरीश माहेश्वरी, प्रकाश इनाणी, दिनेश माहेश्वरी, नितिन झंवर, विजय मालपानी, आरएन मालू, राकेश माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, नरेश सोढानी, अरविंद सांवल, दिलीप बाहेती, अजीत परवाल, नंदकिशोर चांडक, के के सादानी, रविन्द्र मूंदड़ा, रमाकांत माहेश्वरी, प्रभात माहेश्वरी, बालमुकुन्द माहेश्वरी, अशोक बियाणी, ओ पी अजमेरा, एन के मालपानी, अभिन्द्रा गगरानी सहित कई लोग शामिल हुए।

गोवंशों के गोबर से बनेगी कंप्रेस्ड बायो गैस

दादरी विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष व एसीइओ ने किया शिलान्यास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा का पहला कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट

प्राधिकरण से संचालित जलपुरा स्थित गोशाला में बनेगा। गोवंशों के गोबर से चलने वाले 50 टन प्रति दिन क्षमता के इस प्लांट का सोमवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा व एसीइओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने शिलान्यास किया। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से यह प्लांट एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसका पूरा खर्च निर्माणकर्ता एजेंसी वहन करेगी।

शिलान्यास के मौके पर गोशाला पहुंचे दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि गोमाता की सेवा करना बहुत पुण्य का काम है। यहां के गोवंशों को देखकर ऐसा लगता है कि अच्छी देखभाल हो रही है। विधायक ने कहा कि गोवंशों के गोबर से चलने वाले कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट से कई फायदे होंगे। गोबर प्रोसेस होने से ईंधन भी मिलेगा और इससे आमदनी भी होगी, जिससे गोशाला के संचालन में मदद मिलेगी। इस प्लांट को बनाने में प्राधिकरण का पैसा भी नहीं लग रहा। उन्होंने इस पहल के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, ओएसडी गिरीश कुमार झा और जीएम आरके भारती सहित अन्य अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने ग्रेटर नोएडा में बायो गैस प्लांट की बहुत आवश्यकता थी। इस प्लांट के लगने से आसपास के पशुपालकों को भी फायदा होगा। गोवंशों के गोबर को इस प्लांट को बेच सकेंगे और इससे उनको आमदनी भी होगी और स्वच्छता को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि एक साल में यह प्लांट बनकर तैयार हो जाएगा। 50 टन प्रतिदिन गोबर को प्रोसेस करने की क्षमता होगी। गोशाला से निकलने वाला गोबर इसी प्लांट में प्रोसेस हो जाएगा।

प्लांट के शिलान्यास के मौके पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, ओएसडी गिरीश कुमार झा और जीएम आरके भारती के अलावा वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम, प्रबंधक मनोज चैधरी, एस 3 फ्यूल कंपनी के दूपरे को-फाउंडर गरुण गौतम समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम हाउस के पास गोल चक्कर होगा छोटा

नोएडा (चेतना मंच)। पोस्टमार्टम हाउस के बाद स्थित सेक्टर-94 गोलचक्कर समेत कुछ स्थानों का नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने निरीक्षण किया और जाम की समस्या कम करने के लिए इस गोलचक्कर के आकार में बदलाव के निर्देश दिए।

ओखला पक्षी विहार मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-125 की तरफ जाने वाली सड़क पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। यहां बीच में पोस्टमार्टम हाउस के पास बने गोल चक्कर पर सुबह और शाम जाम लग रहा है। इसका अहम कारण गोल चक्कर अधिक चौड़ा होना है। इसके अलावा सड़कों के डिजाइन में भी कुछ कमी है। प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने निरीक्षण कर निर्देश दिया कि गोल चक्कर को सलाहकार से री-डिजाइन करवाया जाए। इसके साथ ही आसपास की सड़कों का डिजाइन भी ट्रैफिक के हिसाब से तैयार कराए जाने की जरुरत है। इसके बाद एसीईओ ने सेक्टर-94 स्थित पशु शेल्टर का निरीक्षण किया। परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। उन्होंने सीसीटीवी की संख्या बढ़ाए जाने के निर्देश दिए।।

विधायक से सेक्टर-123 के लैंडयूज को बदलने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। सामाजिक संस्था 'नौएडा सिटीजन फोरम' (NCF) ने सेक्टर-121 होम्स 121 लाउंज में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में व्यापक जनहित एवं पर्यावरण हित में नोएडा विधायक पंकज सिंह के सामने सेक्टर-123 के लैंडयूज में परिवर्तन करने की मांग रखी।

गौरतलब है कि पिछले कई वर्षों से क्षेत्र के लोग अत्यधिक तनावग्रस्त जीवन व्यतीत कर रहे हैं, कारण नौएडा अथॉरिटी की हठधर्मिता जोकि मुख्यमंत्री के आदेश (कूड़ा निस्तारण से संबंधित कोई भी प्लांट आबादी से 2 किलोमीटर दूर ही बनाया जाए) का भी पालन नहीं कर रही है। प्राधिकरण के अफसरों को जन-स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की भी कोई चिंता नहीं है वे बस कूड़ा निस्तारण की योजनाओं को अलग-अलग नाम देकर क्षेत्र में शहर भर का कूड़ा

डंपकर गाजीपुर जैसा हाल कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना चाहते हैं। शहर भर में अलग-अलग स्थानों पर कूड़े में आए दिन आग लगती रहती है जिसका आज तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। इससे क्षेत्रीय नागरिकों में सदैव रोष एवं चिंता भी बनी रहती है। विधायक पंकज सिंह ने NCF की मांग को ध्यान से सुना एवं इसको अगले चरण तक ले जाने का पूर्ण आश्वासन दिया। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद नौएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आदेश की पालना एवं सेक्टर-123 के आस-पास कूड़ा निस्तारण की किसी भी परियोजना के प्रस्ताव को भविष्य में अमल में न लाने के भी दिशा-निर्देश दिये।

इस अवसर पर नौएडा सिटीजन फोरम की सचिव गरिमा त्रिपाठी, रश्मि द्विवेदी, होम्स 121 सोसायटी के अध्यक्ष चक्रधर मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश सिंह व भारी संख्या में यहां के निवासियों के अलावा आस-पास के गांवो और सोसाइटियों के नागरिक भी उपस्थित थे।

जिम्स में बीएससी नर्सिंग का नया बैच प्रारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (जिम्स) में बीएससी नर्सिंग के चौथे बैच का शुभारंभ हुआ। बीएससी के छात्र-छात्राओं ने आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिनगेल को केंडिल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिम्स के पतंजलि हाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय नर्सिंग परिषद के अध्यक्ष डॉ टी दिलीप कुमार ने नवागत छात्रों को नर्सिंग की उपयोगिता और महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नर्सिंग के छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की बधाई देते हुए नर्सिंग के मूल्यों को बनाए रखते हुए देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सार्थक योगदान करने के लिए प्रेरित किया। डॉ दिलीप कुमार ने शैक्षणिक और नैदानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज आफ नर्सिंग जिम्स के प्रयासों की भी मुक्त कंठ से सराहना की।

कार्यक्रम में उपस्थित जिम्स के निदेशक डॉ

ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग के पेशे में ईमानदारी, समर्पण, सहानुभूति और पेशेवरता आवश्यक है। इसके अलावा नर्सिंग के पेशे में नैतिक व्यवहार, करुणामई देखभाल और मानवता की सेवा के प्रति समर्पित होना भी इस पेशे का एक अहम हिस्सा है।

इस अवसर पर कॉलेज आफ नर्सिंग के प्राचार्य ने कॉलेज की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में अकादमिक उपलब्धियां, प्रशिक्षण, छात्र उपलब्धियां और संस्थान की कुशल और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में जिम्स के निदेशक डॉ ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता के अलावा, जिम्स की डीन डॉ रंभा पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. रंजना वर्मा, चिकित्सा अधीक्षक बृजमोहन, डॉ सुधांशु, शेखर घोष, डॉ भूपेंद्र सिंह, प्रशासनिक प्रभारी डॉ. भारती राठौर सहित अन्य विभाग अध्यक्ष आदि मौजूद थे।

गढ़ी चौखंडी में बहुउद्देशीय हॉल व कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा लोक मंच एवं निर्वाह फाउंडेशन द्वारा स्माइल फाउंडेशन एवं

स्काइडकोर (CSR पार्टनर) के सहयोग से संस्कार अध्ययन केंद्र, गढ़ी चौखंडी, सेक्टर-68, नोएडा में बहुउद्देश्यीय हॉल एवं कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल, नृत्य, कला एवं अन्य विविध क्षेत्रों में उनके कौशल के विकास के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करना है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अखिलेश मिश्रा (अध्यक्ष, NIOS), डॉ. एन. के. अम्बष्ठ (पूर्व अध्यक्ष, NIOS), महेश सक्सेना (महासचिव, नोएडा लोक मंच), कुशाग्र अवस्थी (निर्वाह फाउंडेशन) एवं मनोज बंसल (Skydecor CSR पार्टनर) ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर केंद्र का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में प्रो. अखिलेश मिश्रा ने इस पहल के लिए नोएडा लोक मंच को बधाई दी और भविष्य में संस्कार अध्ययन केंद्र को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

निर्वाह फाउंडेशन के कुशाग्र अवस्थी ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए इस प्रकार की सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका एवं नोएडा लोक मंच शिक्षा समिति की सचिव श्रीमती लीका सक्सेना ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर संभव मेहरोत्रा, शैलजा मेहरोत्रा (निर्वाह फाउंडेशन), विभा बंसल (कोषाध्यक्ष), आर. एन. श्रीवास्तव, सुभाष सिंघल (उप महासचिव), राजेश्वरी त्यागराजन, इंद्रा चौधरी, सुनीता खटाना, मुक्ता गुप्ता, कंचन श्रीवास्तव, आशु सक्सेना, विनीत सक्सेना, गिरिजा सिंह, अरुण कुमार ठाकुर, लुबना, गौरव दुबे, बिजेन्दर यादव सहित संस्कार अध्ययन केंद्र की प्रधानाचार्या श्रीमती लक्ष्मी नेगी एवं उप प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता सक्सेना भी उपस्थित रहीं।